A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 14 जनवरी, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 105, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

(डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

भक्ति के रंग में रंगल गाँव देखा,
धरम में, करम में, सनल गाँव देखा
अगल में, बगल में सगल गाँव देखा,
अमौसा नहाये चलल गाँव देखा
एहू हाथे झोरा, ओहू हाथे झोरा,
कान्ही पर बोरा, कपारे पर बोरा
कमरी में केहू, कथरी में केहू,
रजाई में केहू, दुलाई में केहू
आजी रँगावत रही गोड़ देखा,
हँसत हँउवे बब्बा, तनी जोड़ देखा
घुंघटवे से पूछे पतोहिया कि, अईया,
गठरिया में अब का रखाई बतईहा
एहर हउवे लुग्गा, ओहर हउवे पूड़ी,
रामायण का लगे ह मँड़ुआ के डूंढ़ी
चाउर आ चिउरा किनारे के ओरी,
नयका चपलवा अचारे का ओरी
अमौसा के मेला, अमौसा के मेला।

– कैलाश गौतम

(अमौसा के मेला यानी कुंभ का मेला)

सदी का आखिरी महाकुंभ....

उत्साह...उमंग, जज्बा, कुंभ 2025 में श्रद्धालुओं का सैलाब, फीकी पड़ी ठंड।

महाकुंभ में 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

सुबह 4 बजे से 44 घाटों पर स्नान जारी था, 12 किमी पैदल चलकर घाट पहुंच रहे थे लोग

भीड़ में करीब 4 हजार लोग बिछड़े, हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए, एनएसजी कमांडो रख रहे थे नजर

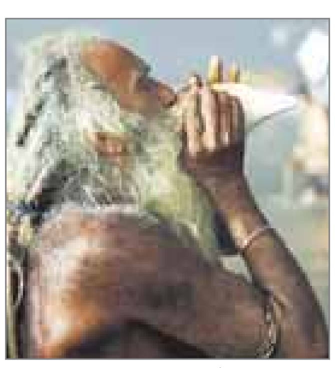

लखनऊ/प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ का शुभारंभ हो चुका है। पौष पूर्णिमा पर सुबह 4 बजे से पहला स्नान चल रहा था। 44 घाटों पर शाम 6 बजे तक 1 करोड़ 65 लाख श्रद्धालु डुबकी लगा चुके थे। भक्तों पर हेलिकॉटर से फूलों की वर्षा की गई। महाकुंभ 144 साल में दुर्लभ खगोलीय संयोग में हो रहा है। यह वही संयोग है, जो समुद्र मंथन के दौरान बना था। अब अगला महाकुंभ 144 वर्ष बाद आएगा। देश के कोने-कोने से भक्त प्रयागराज आए हैं। भीड़ इतनी है कि 4000 लोग अपनों से बिछड़ गए।

144 साल बाद आता है महाकुंभ

डीजीपी बोले- दोपहर तक 60 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया

यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा- महाकुंभ 2025 का शुभारंभ आज सुबह के स्नान से हो गया है। करीब 60 लाख लोग इसमें डुबकी लगा चुके हैं। इस बार का कुंभ आस्था और आधुनिकता का संगम है। हम लोगों ने पारंपरिक पुलिस व्यवस्था से हटकर तकनीक का अधिक से अधिक इस्तेमाल कर श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था दी है। पुष्पवर्षा भी होगी। इस बार कुंभ भव्य, दिव्य, डिजिटल और सुरक्षित हो, इसके लिए सभी इंतजाम किए जा रहे हैं।

60 हजार जवान सुरक्षा और व्यवस्था संभालने में लगे हैं

संगम पर एंट्री के सभी रास्तों पर भक्तों की भीड़ है। वाहनों की एंट्री बंद थी। श्रद्धालु बस और रेलवे स्टेशन से 10-12 किलोमीटर पैदल चलकर संगम पहुंच रहे थे। 60 हजार जवान सुरक्षा और व्यवस्था संभालने में लगे हैं। पुलिसकर्मी स्पीकर से लाखों की संख्या में आई भीड़ को मैनेज कर रहे थे, जगह-जगह कमांडो और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान भी तैनात हैं।

महाकुंभ में 20 विदेशों से पहुंचे श्रद्धालु, बोले- यह अद्भुत

स्टीव जॉब्स की पत्नी आत्मशुद्धि के लिए आई, ब्राजील के फ्रांसिस्को बोले– मोक्ष की तलाश 144 साल बाद प्रयागराज महाकुंभ में दुर्लभ संयोग बना। संगम के पहले स्नान पर ब्राजील, अफ्रीका, अमेरिका, फ्रांस, रूस समेत 20 देशों से विदेशी भक्त पहुंचे। पूरे महाकुंभ के दौरान लाखों विदेशी आएंगे।

एपल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल कल्पवास करेंगी

एपल के सह–संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल भी अमेरिका से कुंभ पहुंच चुकी हैं। वह 29 जनवरी तक कल्पवास करेंगी। कल्पवास के दौरान वह 16 दिन तक ध्यान, तपस्या और आत्मशुद्धि करेंगे। लॉरेन निरंजनी अखाड़ा में स्वामी कैलाशानंद गिरी की मौजूदगी में व्यासनंद गिरी महाराज के पट्टाभिषेक (राजतिलक) में शामिल हुईं।

सीएम योगी बोले- पुण्य फलें, महाकुंभ चलें

महाकुंभ 2025 में श्रद्धालुओं को उमड़ने का सिलसिला जोर पकड़ चुका है। पौष पूर्णिमा के दिन कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज के चारों ओर से लोग पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि कुंभ स्नान के लिए सोमवार को डेढ़ करोड़ से अधिक लोग पहुंच चुके हैं। इस बाबत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट करते हुए महाकुंभ पहुंचने आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने लिखा, 'मानवता के मंगलपर्व 'महाकुम्भ 2025' में 'पौष पूर्णिमा' के शुभ अवसर पर संगम स्नान का सौभाग्य प्राप्त करने वाले सभी संतगणों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन।

सिंहस्थ-2028 में क्षिप्रा नदी के जल से ही होगा स्नान : मुख्यमंत्री

सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना से क्षिप्रा जी होंगी निर्मल और निरंतर प्रवाहमान

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रसन्नता का विषय है कि सिंहस्थ-2028 में साधु-संत पवित्र क्षिप्रा जी के जल से ही स्नान करेंगे। हमारा सौभाग्य है कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल 614 करोड़ 53 लाख रूपए की लागत से निर्मित होने वाली सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का भूमि-पूजन उज्जैन में करने जा रहे हैं। राज्य सरकार पुण्य सलिला क्षिप्रा के जल से सिंहस्थ में स्नान की व्यवस्था की दिशा में ठोस कदम उठाया है। परियोजना के क्रियान्वयन से क्षिप्रा नदी निर्मल और निरंतर प्रवाहमान होगी इससे सभी त्यौहार-पर्वों पर हमारा यह प्रमुख तीर्थ वर्षभर जीवंत रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि क्षिप्रा नदी में जल की मात्रा सीमित रहती है। इसीलिए 1980, 1992 और 2004 में हुए सिंहस्थ में गंभीर नदी से जल की व्यवस्था की गई और वर्ष 2016 में नर्मदा जी के जल से स्नान कराया गया।

धार्मिक नगरों में लागू होगी शराबबंदी, राज्य सरकार कर रही है विचार, साधु-संतों से सुझाव मिले

मध्यप्रदेश के धार्मिक नगरों में शराब की बिक्री पर जल्द प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आबकारी विभाग के अधिकारियों को प्रस्तावित नीति में प्रावधान करने को कहा है। इस फैसले पर अमले के बाद उज्जैन समेत एमपी के 17 धार्मिक नगरों में शराबबंदी लागू हो जाएगी। सीएम ने सोमवार को कहा, बजट सत्र नजदीक है। ऐसे में सरकार धार्मिक नगरों में शराबबंदी को लेकर आबकारी नीति में संशोधन करने पर विचार कर रही है। 1 अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में इस पर अमल किया जा सकता है। राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए धार्मिक नगरों की बाहरी सीमाओं में शराब दुकानें खोलने को लेकर आबकारी विभाग के अधिकारी मंथन कर रहे हैं।

बहुत ही पुण्यदायी, इस दिन स्नान-दान का है विशेष महत्व

मकर संक्रांति आज

नईदिल्ली (एजेंसी)। मकर संक्रांति पर सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं और धरती पर प्रकाश का प्रभाव बढ़ जाता है। यह तमसो मा ज्योतिर्गमय की यात्रा है। जब उन्नति उत्तम विचारों सात्विकता कर्तव्यपालन त्याग सत्य दया क्षमा आदि की ओर हम प्रवृत्त होते हैं तब मानना चाहिए कि हम उत्तरायण की यात्रा पर चल पड़े हैं। प्रो. गिरिजाशंकर शास्त्री, ज्योतिष विभाग अध्यक्ष, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अनुसार ज्योतिष चक्र में कुल बारह राशियां हैं। प्रत्येक राशि में एक महीने तक सूर्य का भ्रमण होता है। जिसे सौर राशि भी कहा जाता है। इस तरह सूर्य कुल 12 महीनों में संपूर्ण राशि चक्र की परिक्रमा पूर्ण करता है। सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश को संक्रांति कहा जाता है। जब सूर्य धनु राशि का भ्रमण पूर्ण कर मकर राशि में प्रवेश को उद्यत होता है, उसी काल को मकर संक्रांति कहा जाता है। यह प्रकृति का परिवर्तन है, अतएव इसे प्राकृतिक पर्व कहना अधिक तर्कसंगत लगता है, किंतु सनातन धर्मावलंबी इसे धार्मिक या आध्यात्मिक पर्व मानते हैं। अन्य लोग इसे खिचड़ी के रूप में मानते हैं। मकर संक्रांति की महत्ता अनेक कारणों से सर्वातिशायी है। मकर राशि का स्वामी शनि है, जो सूर्य का पुत्र है। मकर में सूर्य का प्रवेश पिता-पुत्र के पुनर्मिलन का संकेतक है। सूर्य आत्मा का प्रतीक है, जबकि शनि दुःख कारक एवं दुःखहारक भी है। शनि कर्म का भी प्रतीक है। सूर्य एवं शनि दोनों जीवों के कर्मसाक्षी भी हैं। न्यायाधीश शनि, सूर्य के कर्माकर्म के विभाजन से ही जीवों के प्रति सुख-दुख का फल दाता बनता है।

भारत ने बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर को तलब किया

बांग्लादेश ने बॉर्डर पर फेंसिंग को अवैध बताया था, कल भारतीय हाईकमिश्नर को तलब भी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के विवाद को लेकर भारत ने सोमवार को बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नुरूल इस्लाम को तलब किया है। इससे पहले रविवार को बांग्लादेश ने भारतीय हाईकमिश्नर को समन किया था। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने भारतीय हाईकमिश्नर प्रणय वर्मा को बुलाकर बॉर्डर पर बीएसएफ की तरफ से की जा रही फेंसिंग (बाड़) को अवैध कोशिश बताया था।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार,14 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने केंद्रीय जल मंत्री श्री सीआर पाटिल के साथ ग्राम बामोरा में 33/11 केवी विद्युत उप-केंद्र का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कपिला गौ-शाला में गौ-माता मंदिर सेवा स्थल का किया भूमि-पूजन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को उज्जैन के रत्नाखेड़ी स्थित कपिला गौशाला पहुंचकर वेद ऋचाओं के उच्चारण के मध्य गौ-पूजन कर गौ-माता मंदिर सेवा स्थल का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दी गई 3.5 करोड़ रूपये की निधि से नगर निगम द्वारा विकसित किए जा रहे गौ-माता शेड, सार्वजनिक शौचालय एवं अन्य प्रगतिरत विकास कार्यों का अवलोकन भी किया। इस दौरान केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल भी साथ थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2024 को गौ-संवर्धन वर्ष घोषित किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लक्ष्य सभी गौ-वंशों का संरक्षण एवं संवर्धन कर लावारिस गौ-वंश से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना, देशी नस्ल की गायों का उन्नयन, जैविक खाद से ऑर्गेनिक कृषि को बढ़ावा देना है। राज्य सरकार द्वारा गौ-संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गौ-वंश आहार अनुदान को दोगुना किया गया है। अब

पंजीकृत गौ-शाला के पशुओं को प्रतिदिन 40 रूपये आहार अनुदान दिया जा रहा है।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, श्री अच्युतानंद महाराज, महापौर श्री मुकेश टटवाल, सभापति श्रीमती कलावती यादव आदि जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

दिसम्बर में रिटेल महंगाई घटकर 5.22 प्रतिशत पर पहुंची

ये 4 महीने का निचला स्तर, खाने-पीने की चीजों के दाम घटे

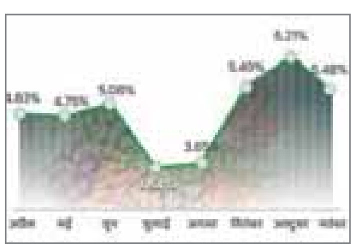

नई दिल्ली (एजेंसी)। खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से दिसंबर में रिटेल महंगाई दर 4 महीने के निचले स्तर पर आ गई है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक महंगाई घटकर 5.22 प्रतिशत हो गई है। इससे पहले नवंबर में महंगाई दर 5.48 प्रतिशत पर थी। वहीं 4 महीने पहले अगस्त में महंगाई 3.65 प्रतिशत पर थी।

महंगाई के बास्केट में लगभग 50प्रतिशत योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महंगाई महीने-दर-महीने आधार पर 9.04 प्रतिशत से घटकर 8.39 प्रतिशत हो गई है। वहीं ग्रामीण महंगाई 5.95 प्रतिशत से घटकर 5.76 प्रतिशत और शहरी महंगाई 4.89 प्रतिशत से घटकर 4.58 प्रतिशत हो गई है।

दक्षिण-पश्चिमी जापान में 6.9 की तीव्रता से आया भूकंप

मौसम विभाग ने दी सुनामी की चेतावनी

टोक्यो (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिमी जापान में 6.9 की तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए। जापान के मौसम विज्ञान एजेंसी ने सुनामी की भी चेतावनी जारी की। रात के 9.19 बजे भूकंप आया और इसके तुरंत बाद मियाजाकी प्रान्त के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई। निकटवर्ती कोच्चि प्रांत के लिए भी चेतावनी जारी की गई। मौसम विभाग के अनुसार, सुनामी की लहरे एक मीटर तक पहुंच सकती है। भूकंप के कारण हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है। प्रशांत बेसिन में ज्वालामुखियों के आर्क, रिंग ऑफ फायर और फॉल्ट लाइन के किनारे स्थित होने के कारण जापान अक्सर भूकंप की चपेट में रहता है।

कैग रिपोर्ट पर हाईकोर्ट बोला-

दिल्ली सरकार की ईमानदारी पर संदेह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैग रिपोर्ट 11 जनवरी को मीडिया में लीक हुई थी। इसमें सरकार को 2026 करोड़ रुपए के रेवेन्यू लॉस होने की बात कही गई थी। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आई कैग रिपोर्ट का मुद्दा अब दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गया है। 7 भाजपा विधायकों ने कैग की रिपोर्ट पर विधानसभा में चर्चा करवाने की याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में लगाई थी, जिस पर सोमवार को कोर्ट ने दिल्ली सरकार को फटकार लगाई।

जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने कहा- कैग रिपोर्ट पर विचार करने में जिस तरह से दिल्ली सरकार ने अपने कदम पीछे खींचे हैं, उससे इनकी ईमानदारी पर संदेह पैदा होता है। दिल्ली सरकार को कैग रिपोर्ट को तुरंत स्पीकर को भेजना था और सदन में चर्चा शुरू करनी चाहिए थी।

सेक्स रैकेट के लिए पुलिस से 'सेटिंग' का दावा

ग्वालियर में मैनेजर ग्राहकों से कहता था- महीना देते हैं; दिल्ली-बंगाल, यूपी से बुलाता था कॉल गर्ल्स

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में एक स्पा सेंटर पुलिस से 'सेटिंग' का हवाला देकर सेक्स रैकेट चला रहा था। मैनेजर समेत स्टाफ के लोग कस्टमर्स को यकीन दिलाते थे कि यह जगह पूरी तरह सुरक्षित है क्योंकि वे पुलिस को 'महीना' देते हैं। 'द हीलिंग हैंड मसाज थैरेपी' नाम का यह स्पा और मसाज पार्लर एसपी ऑफिस के ठीक पीछे पटेल नगर में चल रहा था। रविवार दोपहर पुलिस की रेड में यहां से 6 कॉल गर्ल्स समेत 10 लोग पकड़े गए। इनमें दो ग्राहक भी शामिल थे, जो आपत्तिजनक हालत में पाए गए।

पुलिस की पूछताछ में खुलासा हुआ कि कॉल गर्ल्स को दिल्ली से बुलाकर एक महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर काम कराया जाता था। एक महीने के बाद इन्हें बदल दिया जाता था। कॉल गर्ल्स को प्रति ग्राहक एक हजार रुपए मिलते थे।

स्पा मैनेजर ने बताया कि वह ग्वालियर में चार महीने से सेक्स रैकेट चला रहा था। कुछ ही दिन में अड्डा बदलने वाला था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने रेड कर दी। दिल्ली के अलावा बंगाल, उत्तर प्रदेश के आगरा और मथुरा के साथ ही ग्वालियर की लड़कियां भी देह व्यापार में शामिल थीं।

कॉल गर्ल्स से पूछताछ जारी- पुलिस गिरफ्तार कॉल गर्ल्स को लेकर सोमवार दोपहर स्पा सेंटर पहुंची। यहां युवतियों ने पुलिस को अपने ठहरने की जगह, उनसे संबंधित सामग्री और दस्तावेजों की जानकारी दी। एएसपी कृष्ण लालचंदानी ने बताया-मसाज पार्लर से अनैतिक देह व्यापार का अड्डा पकड़ा गया है। विस्तार से पूरे मामले की जांच की जा रही है। लड़कियां कौन हैं और यहां कैसे आईं, यह भी पूछताछ की जा रही है।

मसाज के साथ अन्य सर्विस की बात कही

ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह ने बताया- 'द हीलिंग हैंड मसाज थैरेपी' स्पा एंड मसाज सेंटर में सेक्स रैकेट चलाने की सूचना मिली थी। सूचना देने वाले ने मानव तस्करी की आशंका भी जताई थी। इस पर क्राइम ब्रांच और महिला थाना पुलिस की टीम बनाई। एक सिपाही को पंटर (ग्राहक) बनाकर मसाज पार्लर भेजा। नोटों के सीरियल नंबर दर्ज कर उसे ढाई हजार रुपए दिए।

पंटर ने स्पा सेंटर में मसाज के साथ अन्य सर्विस लेने की बात कही। इस पर मैनेजर ने उसे लड़कियां दिखाईं। डील फिक्स होने पर पंटर ने भुगतान कर दिया। उसका इशारा मिलते ही पुलिस टीम ने रेड कर दी।

स्पा सेंटर किराए पर लेकर चला रहे थे रैकेट

पुलिस की रेड में 6 कॉल गर्ल्स, दो ग्राहक और मैनेजर समेत संचालक को हिरासत में लिया गया। एक पेटी में आपत्तिजनक सामग्री, मोबाइल, हिसाब-किताब की डायरी और नकद रुपए बरामद किए गए। पूछताछ में मैनेजर ने अपना नाम देवेंद्र शर्मा निवासी मुंबई बताया। उसने बताया कि वह यहां 25 हजार रुपए में नौकरी करता है।

एमपी में बीजेपी जिला अध्यक्षों की घोषणा शुरू

सीएम के गृह नगर से शुरुआत, संजय अग्रवाल को उज्जैन की कमान, महाराज सिंह विदिशा जिलाध्यक्ष

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में लंबे इंतजार के बाद बीजेपी ने जिला अध्यक्षों की घोषणा शुरू कर दी है। रविवार को सबसे पहले सीएम डॉ. मोहन यादव के गृह नगर उज्जैन के लिए जिला अध्यक्ष का ऐलान किया गया। यहां संजय अग्रवाल को जिला अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी श्याम सुंदर शर्मा ने अग्रवाल के नगर जिला अध्यक्ष बनने का पत्र जारी किया है।

इसके बाद पूर्व सीएम शिवराज सिंह के संसदीय क्षेत्र वाले विदिशा जिले के लिए जिला अध्यक्ष का ऐलान किया गया। यहां महाराज सिंह दांगी को जिला अध्यक्ष बनाया गया है।संजय अग्रवाल के नाम की घोषणा होते ही उनके समर्थकों ने खुशियां मनाई।

संजय अग्रवाल, उज्जैन | महाराज सिंह दांगी, विदिशा

उज्जैन नगर जिला अध्यक्ष बनाए जाने के बाद संजय अग्रवाल ने कहा कि पार्टी ने मुझ जैसे छोटे से कार्यकर्ता को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। इसके लिए मैं पार्टी को धन्यवाद देता हूं। मैं जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूंगा।

चरित्र संदेह में अधेड़ की पीट-पीटकर हत्या

शहडोल में दो सगे भाइयों ने शव जंगली नाले में फेंका

शहडोल (नप्र)। शहडोल के सीधी थाना क्षेत्र के मीठी गांव में सोमवार को दो सगे भाइयों ने चरित्र संदेह के चलते नाई की हत्या कर दी। आरोपी आरिफ और छोटू को संदेह था कि मृतक चोखे लाल नापित (52) उनके घर की किसी महिला से अवैध संबंध रखता है।

ये है पूरा मामला- सोमवार सुबह इसी बात को लेकर आरोपियों का मृतक से विवाद हुआ। दोनों भाइयों ने गांव के बीच सड़क पर चोखे लाल की जमकर पिटाई की। इतना ही नहीं, अधमरा होने के बाद उसे अपनी बाइक पर बिठाकर करीब 5 किलोमीटर दूर मीठी जंगल के नाले में फेंक दिया।

घटना के समय कुछ ग्रामीणों ने आरोपियों को देख लिया था। उन्हें शक हुआ तो दोनों भाइयों का पीछा भी किया, लेकिन वे घने जंगल में गायब हो गए। इसके बाद ग्रामीणों ने डायल 100 को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से पूछताछ की और सर्चिंग के दौरान जंगली नाले से चोखे लाल का शव बरामद कर लिया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी भाई लंबे समय से मृतक पर शक करते थे। उन्हें लगता था कि चोखे लाल का उनके घर में आना-जाना संदिग्ध है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

दोनों भाई फरार, तलाश जारी- सीधी थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने बताया कि चारित्र सन्देह को लेकर मीठी गांव में एक अधेड़ की हत्या की गई है। हत्या का आरोप दो सगे भाइयों के पर है।

नितिन गडकरी का बड़ा ऐलान

सड़क हादसे में घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर अब मिलेंगे 25000 रुपये

मुंबई (एजेंसी)। केंद्र सरकार सड़क हादसे में घायल होने वालों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने वाले अच्छे लोगों के लिए इनाम राशि बढ़ाकर अब 25,000 रुपये करेगी। फिलहाल यह राशि 5,000 रुपये है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी पुणे में सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम के दौरान दी। बॉलिवुड अभिनेता अनुपम खेर के साथ एक इंटरव्यू के दौरान मंत्री ने कहा कि उन्होंने सड़क परिवहन मंत्रालय को इनाम राशि बढ़ाने का निर्देश दिया है।

पीएम मोदी ने सोनमर्ग टनल का शुभारंभ कर कहा

आप पक्का मानिये ये मोदी है, वादा करता है तो निभाता है

उमर ने कहा- उम्मीद है जम्मू-कश्मीर के स्टेटहुड का वादा भी पूरा होगा

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में जेड मोड़ टनल का इनॉगरेशन किया। श्रीनगर-लेह हाइवे एनएच-1 पर बनी 6.4 किलोमीटर लंबी डबल लेन टनल श्रीनगर को सोनमर्ग से जोड़ेगी। टनल बनने से लोगों को ऑल वेदर कनेक्टिविटी मिलेगी। टनल का इनॉगरेशन करते हुए पीएम ने कहा, जम्मू-कश्मीर की लद्दाख की एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। आप पक्का मानिये ये मोदी है वादा करता है तो निभाता है। हर काम का एक समय होता है और सही समय पर सही काम भी होने वाले हैं। उधर, राज्य के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उम्मीद है जम्मू-कश्मीर के स्टेटहुड का वादा भी पूरा होगा।

- **सोनमर्ग टनल से लोगों की जिंदगी आसान होगी-** पीएम मोदी ने 27 मिनट के भाषण में कहा- जम्मू-कश्मीर की लद्दाख की एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। इससे सोनमर्ग के साथ करगिल और लेह के लोगों की जिंदगी भी बहुत आसान होगी।

उमर अब्दुल्ला बोले-

मोदी जी जम्मू-कश्मीर को जल्द राज्य का दर्जा दिलवाएंगे- इनॉगरेशन कायक्रम में शामिल जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा- जम्मू-कश्मीर में चुनाव हुए और सबसे बड़ी बात ये रही कि कहीं भी किसी तरह की गड़बड़ी की शिकायत नहीं आई, सत्ता के दुरुपयोग की कोई शिकायत नहीं आई। इसका श्रेय आपको (पीएम मोदी), आपके सहयोगियों और भारत के चुनाव आयोग को जाता है। मेरा दिल कहता है कि बहुत जल्द आप (पीएम मोदी) राज्य का दर्जा बहाल करने का अपना वादा पूरा करेंगे।

यूपी में घना कोहरा, 67 ट्रेनें 10 घंटे तक लेट

शिमला में 2 दिन में पारा 11 डिग्री गिरा; बिहार-राजस्थान में स्कूलों की छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी और मध्य भारत के राज्यों में पारा लगातार गिर रहा है। इसके साथ ही घने कोहरे का भी असर देखने को मिल रहा है।

यूपी के 64 जिलों में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर तक गिर गई। इससे 67 ट्रेनें 10 घंटे देरी से पहुंचीं। महोबा में ठंड के कारण एक युवक की मौत हो गई।

दिल्ली में भी कई ट्रेन और कुछ फ्लाइट विजिबिलिटी घटने के कारण लेट हुईं। तमिलनाडु में चेन्नई एयरपोर्ट पर भी फ्लाइट अपने निर्धारित समय पर नहीं उड़ सकीं। हिमाचल में बर्फबारी के कारण कई शहरों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। शिमला

का अधिकतम तापमान पिछले 48 घंटों में 11.4 डिग्री गिरकर 5.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।बिहार के पटना समेत 4 जिलों और राजस्थान के जयपुर समेत 19 जिलों में आठवीं क्लास तक की छुट्टी घोषित कर दी गई है। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ समेत 15 राज्यों में कोहरे का अलर्ट जारी किया है। वहीं, अरुणाचल, असम, मेघालय, नगालैंड, तमिलनाडु, पुडुचेरी में बारिश का अनुमान जताया है।

म.प्र.- मालवा-निमाड़ में बूंदाबांदी के आसार, 15 जनवरी को आधे एमपी में बादल छाए रहेंगे- भोपाल में रविवार को फुहारें गिरीं। मकर संक्रांति यानी 14 जनवरी को मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन संभाग में बादल और बूंदाबांदी होने के आसार हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने पुजारियों को वितरित किये कंबल, गौसेवकों का सम्मान कर गौशाला में की गौपूजा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने लक्ष्मणबाग गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में पुजारियों एवं कर्मचारियों को ठण्ड से बचाव के लिये कंबल का वितरण किया। उप मुख्यमंत्री ने लक्ष्मणबाग गौशाला में गौसेवकों को सम्मानित किया तथा गौपूजन कर गौमाता से आशिर्वाद लिया। इस अवसर पर श्री शुक्ल ने कहा कि आज के दिन गौ एवं गौसेवकों की सेवा त्रिवेणी कुंभ स्नान के प्रथम दिवस की प्रथम मेला में पुण्य अवगाहन है जो त्रिवेणी कुंभ स्नान से कम नहीं है। उन्होंने रेडक्रास सोसायटी एवं उनकी पूरी टीम को पुनीत कार्य के लिए साधुवाद दिया।

हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के 'टी क्लब' का वार्षिक उत्सव मना

गायन, वादन, क्रिकेट और पतंगबाजी के साथ समारोह सराबोर रहा

इंदौर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के 'टी क्लब' का वार्षिक उत्सव शनिवार को बायपास स्थित रिसोर्ट में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में क्लब के सभी सदस्यों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान गायन, वादन, क्रिकेट और पतंगबाजी के साथ पूरा समारोह आनंद के उल्लास से सराबोर रहा।

सुबह साढ़े 9 बजे से ही सदस्यों ने इस कार्यक्रम में आना प्रारंभ कर दिया था। सुबह नाश्ते के बाद दोपहर को फल और उसके बाद तीन तरह के बाफले दो तरह के लड्डू ,चूरमा, दो तरह की दाल, कड़ी के साथ शानदार भोजन का आनंद लिया। इस समारोह में हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ के न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने पूरे दिन समारोह में भाग लिया तथा टी क्लब के सदस्यों से मुलाकात की। आनंद पाठक हाई कोर्ट टी क्लब के के सदस्य रहे हैं। 'टी क्लब' की महिला सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेकर आनंद लिया।

इस समारोह में क्लब के सदस्य रहे मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर के न्यायमूर्ति आनंद पाठक का स्वागत किया गया। साथ ही हाल ही में वरिष्ठ अधिवक्ता बने विशाल भारती और

विवेक शरण का भी सम्मान किया। इसके अलावा क्लब के दो सदस्यों मकबूल हुसैन और विवेक पटवा का शनिवार को जन्मदिन था, उन्हें भी क्लब की तरफ से बधाइयां दी गई और न्यायमूर्ति से आनंद पाठक ने उनका स्वागत किया।

इस क्लब का गठन इंदौर में हाई कोर्ट के गठन के साथ ही हुआ था। उस समय आस पास चाय इत्यादि की व्यवस्था नहीं थी। इस कारण इस क्लब का गठन हुआ था। संस्था के अध्यक्ष एसडी सांघी बनाए गए थे जो आजीवन इस 'टी क्लब' के अध्यक्ष रहे। उनके बाद वरिष्ठ अभिभाषक जीएम चाफेकर इसके अध्यक्ष रहे। उनकी मृत्यु के पश्चात वर्तमान में वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर भार्गव इसके अध्यक्ष है। पूरे मध्य प्रदेश में यह अपने किस्म की एकमात्र संस्था है, जहां इसके सदस्य एक साथ दोपहर 1:30 बजे साथ में बैठकर चाय पीते हैं। कुछ साल पूर्व तक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति भी इसके सदस्य थे।

महू के आर्मी वॉर कॉलेज में फिर दिखा तेंदुआ

सीसीटीवी में कैद हुई तस्वीर, वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची

महू (नप्र)। महू के आर्मी वॉर कॉलेज परिसर में एक बार फिर तेंदुए दिखाई दिया है। कॉलेज में लगे सीसीटीवी कैमरों में इसकी मौजूदगी दर्ज की गई है। इसके बाद वन विभाग की टीम तत्काल कार्रवाई में जुट गई है। वन विभाग के रेंजर नयन कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। तेंदुए को पकड़ने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त कैमरे और पिंजरे लगाए गए हैं। पिछले साल भी इसी क्षेत्र में एक तेंदुए को पिंजरे में कैद किया गया था। आर्मी क्षेत्र में वन्य जीवों का यह मूवमेंट नई बात नहीं है। पहले यहां बाघ की उपस्थिति भी दर्ज की जा चुकी है। वर्तमान स्थिति में वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रही है और जल्द ही तेंदुए को रेस्क्यू करने का प्रयास कर रही है। इंदौर में सुपर कॉरिडोर पर सोमवार देर रात फिर तेंदुए का मूवमेंट हुआ है। मंगलवार सुबह उसका सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इंदौर में तेंदुए का मूवमेंट एक सप्ताह से हो रहा है लेकिन पहली बार कैमरे में कैद हुआ है।

शादी के लिए मंदिर किराए पर दिया, प्रबंधक बर्खास्त

इंदौर संभागायुक्त ने डिप्टी कलेक्टर को हटाया; यादव समाज आज करेगा शुद्धिकरण

इंदौर (नप्र)। इंदौर में करीब 190 साल पुराने श्री गोपाल मंदिर में रविवार को एक परिवार ने शादी समारोह आयोजित किया। इसमें मांगलिक अनुमति के नाम पर नियमों का उल्लंघन किया गया। शादी के लिए गर्भगृह के सामने हवन कुंड बनाया गया और मेहमानों को शाही बर्तनों में भोजन परोसा गया। इस दौरान मंदिर परिसर में गंदगी फैल गई।

सोमवार को मामला सामने आने के बाद संभागायुक्त दीपक सिंह ने मंदिर के प्रबंधक केएल कौशल की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है। वहीं माफी ऑफिसर डिप्टी कलेक्टर विनोद राठौर को प्रभारी पद से हटा दिया है। माफ़ी अधिकारी का प्रभार संयुक्त कलेक्टर कल्याणी पांडे को अतिरिक्त रूप से सौंपा है। इधर, यादव समाज भी मंगलवार दोपहर को मंदिर का शुद्धिकरण करेगा।

संभागायुक्त ने बनाई कमेटी, गाइडलाइन करेगी तैयार– संभागायुक्त दीपक सिंह ने कहा कि श्री गोपाल मंदिर की व्यवस्था और संचालन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए। यह समिति मंदिर संचालन से जुड़े क्या करें और क्या न करें की गाइडलाइन तैयार करेगी।

ये है पूरा मामला

छोटे मांगलिक कार्यों की ही थी अनुमति–राजबाड़ा स्थित प्राचीन गोपाल मंदिर का तीन साल पहले स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत करोड़ों रुपए की लागत से जीर्णोद्धार किया गया था। यह मंदिर भक्तों के लिए खास है। यहां आमतौर पर केवल छोटे मांगलिक कार्य ही होते हैं। लेकिन रविवार को नियमों का उल्लघंन करते हुए भव्य शादी समारोह हुआ।

टेंट लगाकर रास्ता कर दिया बंद– मंदिर में फूलों से सजावट की गई। गलियारों में सोफे और कुर्सियां लगाई गईं। गर्भगृह के सामने हवन कुंड बनाकर फेरे संपन्न कराए गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि भोजन की तैयारी मंदिर परिसर में ही हुई। फूड स्टॉल्स और टेंट लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया। इससे यातायात भी प्रभावित हुआ। रविवार को मंगलगीत गूंजने पर भक्तों ने जब मंदिर का नजारा देखा, तो नाराजगी जताई और इस पर आपत्ति की।

सड़क हादसे में दो नाबालिग सहित तीन की मौत

डबल चौकी इलाके की घटना, गुस्साए लोगों ने बोरिंग मशीन में लगाई आग

इंदौर (नप्र)। सोमवार सुबह हादसे में दो नाबालिगों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। यह घटना सुबह 7 बजे खुड़ैल थाना क्षेत्र के ग्राम डबलचौकी के पास हुई। बाइक पर सवार तीनों लोग बोरिंग करने वाले वाहन से टकरा गए। हादसे के बाद ग्रामीणों ने बोरिंग मशीन में तोड़फोड़ कर उसे आग के हवाले कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों सिवनी से

कुणाल, मृतक | विशाल, मृतक | सूर्यांश, मृतक

डबलचौकी की ओर जा रहे थे। मृतकों की पहचान कुणाल (17), सूर्यांश (12), और विशाल (22) के रूप में हुई है। तीनों एक ही परिवार के सदस्य थे। विशाल की शादी हो चुकी थी। खुड़ैल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिए गए हैं।

खराब सड़क के चलते संतुलन बिगड़ा, फिर मशीन से टकराए

कुणाल के चाचा विकास ने बताया कि वह मजदूरी करता था। किसी काम से तीनों डबलचौकी जा रहे थे। वहीं, बोरिंग मशीन डबलचौकी से सिवनी की ओर जा रही थी। कोहरे के कारण उन्हें कुछ भी दिखाई नहीं दिया। सड़क खराब होने के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वे बोरिंग मशीन से टकरा गए।

बाइक की चैन में आई महिला की साड़ी

- **देवास टेकरी पर दर्शन के लिए जा रहे थे दंपति गिरने से 4 माह की बच्ची की मौत, मां घायल**

नित्या, मृतक

इंदौर (नप्र)। इंदौर देवास रोड पर हुए एक सड़क हादसे में 4 माह की बच्ची की मौत हो गई और उसकी मां घायल हो गई। यह हादसा तब हुआ जब दंपति अपनी बेटी को लेकर माता दर्शन के लिए जा रहे थे। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। क्षिप्रा पुलिस के मुताबिक, यह घटना इंदौर देवास ब्रिज के पास लसूडिया परमार में हुई। हादसे में मृत बच्ची का नाम नित्या था। उसकी मां नीतू भी घायल हुई हैं। परिवार के अनुसार, वे तीनों बाइक से देवास टेकरी जा रहे थे और संजू बाइक चला रहे थे। इसी दौरान बाइक की चेन में पत्नी नीतू की साड़ी उलझ गई, जिससे मां और बेटी दोनों सड़क पर गिर गए। बच्ची के सिर में चोट आई और वह गंभीर रूप से घायल हो गई। एक कार सवार ने दंपति की मदद की और उन्हें देवास के निजी अस्पताल में भेजा। अस्पताल में चेकअप के बाद डॉक्टरों ने बच्ची को एमवाय अस्पताल भेजने की सलाह दी। शाम को एम्बुलेंस से माता-पिता ने बच्ची को इंदौर लाया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। नित्या उनके लिए इकलौती संतान थी। पिता संजू ने बताया कि उनकी शादी को ढाई साल हो चुके थे और वे अपनी बेटी को माता मंदिर लेकर जा रहे थे। कुछ दिन पहले ही बाइक की चेन से आवाज आ रही थी, जिसे ठीक कराने का सोचा था, लेकिन यह हादसा हो गया। संजू इंदौर की एक फार्मा कंपनी में काम करते हैं और पिछले 6 साल से लसूडिया परमार में रह रहे हैं। उनका मूल निवास अशोक नगर है। संजू की पत्नी को भी सिर और हाथ में चोट आई है, जिसका इलाज चल रहा है।

पति ने पत्नी को होटल के कमरे में पीटा

देर रात साथ में डिनर करने ले गया था; दो माह से अलग रह रही थी पत्नी

इंदौर (नप्र)। इंदौर की एरोड्रम पुलिस ने एक पत्नी की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि वह अपने मायके में थी। पति ने उसे पार्टी देने की बात की और साथ में ले गया। रास्तें में दोनों ने साथ बैठकर शराब पी। इस दौरान पति ने साथ रहने की बात कही। मना करने पर मारपीट की। पुलिस ने मामले में पति के खिलाफ केस दर्ज किया है। एरोड्रम पुलिस ने बताया कि प्रतिभा सोलंकी निवासी कृष्णबाग कालोनी की शिकायत पर उसके पति नीलेश सोलंकी के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। प्रतिभा ने पुलिस को बताया कि 2013 में उसकी नीलेश से शादी हुई। दो माह से दोनों के बीच विवाद चल रहा है। जिसके चलते वह अपने माता पिता के साथ नंदबाग बाणगंगा इलाके में रहने लगी।

सर्द हवाओं का दौर फिर शुरू

- **24 घंटों में दिन का तापमान 5 डिग्री गिरा, रात को ठिठुरन, गिरावट जारी रहने की संभावना**

इंदौर (नप्र)। रविवार से मौसम में फिर बदलाव देखा गया। तेज रफ्तार सर्द हवाओं के कारण ठंड बढ़ गई है, जिससे दिन के तापमान में 5 डिग्री की गिरावट आई। रविवार को दिन का तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो पिछले दिन से 4 डिग्री कम था। रात को भी ठिठुरन बनी रही और तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। सोमवार सुबह हल्का कोहरा रहा, जिसकी विजिबिलिटी 1100 मीटर रही। बादल छाए रहने के कारण कंपकपी महसूस हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, तापमान में और गिरावट की संभावना है। मकर संक्रांति के दिन, 15 जनवरी को, इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में बादल और बूंदाबांदी की संभावना है, जिससे पतंगबाजी में दिक्कत हो सकती है। मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में और बदलाव की संभावना जताई है। इंदौर में पिछले चार दिनों से तापमान में बढ़ोतरी के बाद राहत थी, लेकिन रविवार को एक बार फिर सर्दी लौट आई और तेज ठंड महसूस हुई, जिससे आवाजाही पर भी असर पड़ा। रात का तापमान और भी गिर गया, जिससे कंपकपी बनी रही। इससे पहले, जनवरी में अब तक पांच रातें ऐसी रही हैं जब तापमान 10 डिग्री से नीचे चला गया था। सबसे कम तापमान 7 जनवरी को 6.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। मौसम विभाग के मुताबिक, मकर संक्रांति के दौरान भी ठंड का असर रहेगा।

इंदौर में कोहरे के कारण 22 से ज्यादा फ्लाइट लेट

पहली फ्लाइट 2 घंटे लेट पहुंची, विजिबिलिटी रही 200 मीटर

इंदौर (नप्र)। इंदौर में सोमवार को सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा, जिससे विमानों की आवाजाही में देरी हुई। कोहरे के कारण इंदौर से जाने वाली 12 फ्लाइट्स 1 से 3 घंटे तक लेट हो गईं, जबकि आने वाली लगभग 9 फ्लाइट्स अपने तय समय से देर से पहुंचीं। सुबह के समय कोहरा इतना घना था कि आसपास की चीजें देखना मुश्किल हो गया, जिसके चलते वाहनों की लाइट जलानी पड़ी। घने कोहरे का सबसे ज्यादा असर हवाई यातायात पर पड़ा। सुबह कोहरे के कारण पहली उड़ान 6 बजे के बजाय 8 बजे लैंड कर पाई, यानी दो घंटे हवाई यातायात कोहरे के चलते बंद रहा। इसके कारण सुबह आने और जाने वाली 22 से ज्यादा उड़ानें एक से दो घंटे लेट रहीं।

एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी रही 200 मीटर– इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक कल रात से ही शहर में घना कोहरा छाना शुरू हो गया था और सुबह 9 बजे के बाद तक कोहरे का असर बना रहा। रात 12.24 बजे

से 1 बजे के बीच विजिबिलिटी घटकर 200 मीटर तक पहुंच गई थी। घने कोहरे को देखते हुए मौसम विभाग ने सुबह भी कोहरे का पूर्वानुमान जारी किया था। इसके चलते रात 3 बजे से ही एयरलाइंस ने अपनी सुबह की उड़ानों के लेट होने की सूचना यात्रियों को भेजना शुरू कर दी थी।

इंदौर में सुबह पहली फ्लाइट 6.10 बजे पुणे से आती है, लेकिन यह आज कोहरे के चलते 8 बजे इंदौर पहुंची। इसी तरह 6.30 बजे दिल्ली से आने वाली फ्लाइट 8.30 बजे आई। 16.55 बजे हैदराबाद से आने वाली फ्लाइट भी 8 बजे इंदौर आई।

17.10 बजे बेंगलुरु से आने वाली फ्लाइट 8.15 बजे और 7.35 बजे अहमदाबाद से आने वाली फ्लाइट 8.35 बजे इंदौर पहुंची। आने वाली उड़ानों के लेट होने के कारण जाने वाली उड़ानें भी लेट हुईं। इसके कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

वहीं शनिवार और रविवार की तरह भी आज शाम को एलायंस एयर ने दिल्ली-इंदौर-दिल्ली की उड़ान को निरस्त कर दिया है। एलायंस एयर की एक फ्लाइट शाम 7.40 बजे दिल्ली से इंदौर आकर 8.05 बजे वापस दिल्ली जाती है।

वहीं एक अन्य फ्लाइट रात 9 बजे दिल्ली से इंदौर आकर 9.25 बजे वापस दिल्ली जाती है। कंपनी ने कल इन दोनों उड़ानों को निरस्त कर दिया। इससे पहले शनिवार कंपनी ने एक उड़ान निरस्त करते हुए एक उड़ान में यात्रियों को एडजस्ट किया था।

इंदौर आने वाली 9 फ्लाइट हुई लेट

पुणे से इंदौर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट सुबह 6.10 बजे की जगह सुबह 8 बजे इंदौर आई।
दिल्ली से इंदौर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट सुबह 6.30 बजे की जगह 8.29 बजे इंदौर आई।
हैदराबाद से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट सुबह 7.10 बजे की जगह सुबह 8.12 बजे पर इंदौर आई।
अहमदाबाद से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट सुबह 7.35 बजे आने की जगह 8.36 बजे पर इंदौर आई।
उदयपुर से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट सुबह 10.20 बजे की जगह सुबह 11.50 बजे पर इंदौर आई।
पुणे से दोपहर 3.05 बजे इंदौर आने वाली फ्लाइट दोपहर 4.20 बजे पर इंदौर आने की संभावना है।
जयपुर से इंदौर आने वाली इंडिगो की सुबह 7.55 बजे वाली फ्लाइट अभी तक इंदौर नहीं आई है।
नागपुर से सुबह 11.05 बजे इंदौर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट अभी तक इंदौर नहीं पहुंची है।

इंदौर से जाने वाली 13 फ्लाइट हुई लेट

इंदौर से मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट सुबह 6.40 की जगह आज 8.45 पर रवाना हुई।
इंदौर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट सुबह 7 की जगह आज 9.23 पर रवाना हुई।
इंदौर से जबलपुर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट सुबह 7.10 की जगह आज 9.45 पर रवाना हुई।
इंदौर से हैदराबाद जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट सुबह 7.30 की जगह आज 8.38 पर रवाना हुई।
इंदौर से उदयपुर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट सुबह 7.40 की जगह आज 9.20 पर रवाना हुई।
इंदौर से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट सुबह 7.50 की जगह आज 9.08 पर रवाना हुई।
इंदौर से अहमदाबाद जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट सुबह 7.55 की जगह आज 9.33 पर रवाना हुई।
इंदौर से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट सुबह 8.05 की जगह आज 9.01 पर रवाना हुई।

वागर्थ

संपादकीय

महाकुंभ- आस्था का सैलाब

प्रयागराज में 144 साल बने महाकुंभ योग के साथ मानो आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। लगता है हर श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर अपना जीवन धन्य कर लेना चाहता है। 13 जनवरी को प्रारंभ हुए इस महापर्व पर साधु संतों सहित करीब 1 करोड़ लोगों ने गंगा स्नान करने रिकॉर्ड बनाया। अनुमान है कि सवा महीने चलने वाले इस महाकुंभ के करीब 45 करोड़ लोग साक्षी बनेंगे। इसलिए इसको विशिष्ट स्वरूप देने की हर संभव कोशिश की गई है। मसलन इस बार कुंभ मेला 4 हजार हेक्टेयर में फैला है। पूरे मेला क्षेत्र को 25 सेक्टरों में बांटा गया है। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए विशाल टेंट सिटी बसाई गई है। जिसमें 1.5 लाख सामान्य टेंट तथा आलीशान स्विस कॉटेज शामिल हैं। मेला परिसर में 1.5 लाख अस्थायी शौचालय बनाए गए हैं। घाटों की साफ-सफाई और सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं। मेले में आतंकी हमले की धमकियों के मद्देनजर 40 हजार सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। यात्रियों को कुंभ मेले में लाने ले जाने के लिए रेलवे ने 98 विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इसके अलावा हजारों बसे और निजी वाहन तो प्रयागराज पहुंचेंगे, पहुंच रहे हैं। लोगों के स्वास्थ्य व चिकित्सा के भी खास इंतजाम का दावा है। कुंभ का समापन महाशिवरात्रि के दिन 26 फरवरी को होगा। इसे डिजिटल महाकुंभ भी कहा जा रहा है, क्योंकि मेला प्रबंधन व संचालन में आधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जा रहा है। महाकुंभ में आना, रहना और स्नान करना कल्पवास कहलता है। ऐसा कल्पवास जो भौतिक कष्टों को भुलाकर अध्यात्म की महागंगा में श्रद्धालुओं को आकंठ डुबो देता है। दरअसल कुंभ मेले के पीछे समुद्र मंथन की पौराणिक कथा है। समुद्र मंथन के दौरान राक्षसों और देवताओं के बीच अमृत को लेकर संघर्ष हुआ था। इसी संघर्ष में अमृत की कुछ बूंदें प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में गिरी थीं। इसी कारण कुंभ का आयोजन इन्हीं चार स्थानों पर होता है। लेकिन महाकुंभ केवल प्रयागराज में ही आयोजित होता है।

इस मेले को महाकुंभ इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि इस बार सूर्य, चंद्रमा, शनि और बृहस्पति की ग्रहों की शुभ स्थिति बन रही है। बताया जाता है कि यह शुभ संयोग समुद्र मंथन के दौरान बना था। साथ ही महाकुंभ पर पूर्णिमा, रवि योग, भद्रावास योग का निर्माण भी होगा, जिसका शुभ असर लोगों पर होगा। ज्योतिष के अनुसार यह समय कुछ राशियों के लिए बहुत शुभ हो सकता है, जबकि कुछ राशियों के लिए यह समय विशेष ध्यान देने वाला हो सकता है। यह सनातन धर्म की अटूट आस्था है कि प्रयागराज में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम हो रहा है। कुंभ की यह परंपरा करीब ढाई हजार सालों से चली आ रही है। जन आस्था के इस प्रवाह की कोई तार्किक परिभाषा करना कठिन है। लोगों की सहभागिता स्वयं इसकी गवाह है। प्रयागराज में अर्द्धकुंभ और पूर्णकुंभ तो हर छह और बारह साल बाद आयोजित होता आया है। लेकिन इस बार का कुंभ मेला अपने आप में धार्मिक और सामाजिक के साथ राजनीतिक अर्थ भी समेटे हुए है। क्योंकि योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्रित्व काल में यह पहला कुंभ मेला है। साथ ही यह राज्य में भगवा लहर का प्रतीक भी है। यह लहर अगले चुनाव तक भी कायम रहे, इसका अघोषित उपक्रम इस महाकुंभ में स्पष्ट महसूस किया जा सकता है। हालांकि लोगों की धार्मिक आस्था इससे कई गुना बड़ी है और जो सियासत की अंतर्धारा से परे है। यही हिंदू धर्म और सनातन परंपरा की ताकत है, जो इसे कालजयी बनाती है। प्रयागराज महाकुंभ इसी भावना की पावती है।

नजरिया

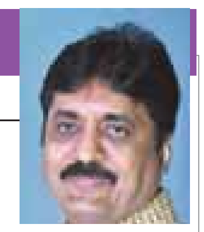

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चुनावी जीत की नई इबारत लिखती महिला मतदाता

चुनावों में विभिन्न राजनीतिक दल महिलाओं को लुभाने के लिये आकर्षक कल्याणकारी योजनाओं एवं मुफ्त की सुविधाएं देने की बढ़-चढ़ कर घोषणाएं करने लगे हैं। महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गईं कल्याणकारी योजनाएं एवं मुफ्त की सुविधाएं अब गेमचेंजर बन रही हैं। महिलाओं के खाते में सीधे नगद ट्रांसफर की जाने वाली स्कीम तो भारत की राजनीति में वोट बटोरने का एक जांचा-परखा एवं सशक्त माध्यम बन गया है। यूं तो लम्बे समय से महिलाओं को लेकर तरह-तरह की घोषणाएं होती रही है लेकिन मध्य प्रदेश में इस योजना की कामयाबी के बाद यही कहानी महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखण्ड में दोहरायी गयी है। जिससे चुनावों में लगातार महिला मतदाताओं का उत्साह बढ़ता जा रहा है और किसी की दल की जीत हार में उसकी भूमिका भी स्पष्ट होती जा रही है। इसी विषय को लेकर एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि महिला केंद्रित योजनाओं के कारण इन महिला मतदाताओं की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है। भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 2014 में कुल मतदाता 83.4 करोड़ थे, जो 2024 में बढ़कर 97.8 करोड़ हो गये हैं। इसमें महिला मतदाता की संख्या सबसे ज्यादा बढ़ी है। एसबीआई रिसर्च टीम की रिपोर्ट के मुताबिक देश में अब 100 पुरुष मतदाताओं पर 95 महिला मतदाता की संख्या है। पिछले दस वर्षों में जिन नौ करोड़ नये वोटरों ने वोट दिया, उसमें महिलाओं की हिस्सेदारी 5.3 करोड़ है। महिलाओं का मतदान के प्रति बढ़ता रूझान लोकतंत्र की मजबूती के लिये एक शुभ संकेत है।

नये अध्ययन से यह भी खुलासा हुआ है कि महिला साक्षरता में वृद्धि हुई है जिसका सीधा असर महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ने से है। महिला साक्षरता में एक फीसदी की वृद्धि से महिला मतदाताओं की संख्या में पच्चीस फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। दिलचस्प पहलू यह भी कि एससी और एसटी वर्ग में मतदान में लगातार इजाफा हुआ, वहीं सामान्य वर्ग में कम हुआ। अब सरकारें बनाने में महिला मतदाताओं की भूमिका लगातार बढ़ती एवं निर्णायक होती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन बार के शासनकाल में विकास पर जोर देने के साथ-साथ महिला उत्थान पर भी बहुत ज्यादा ध्यान दिया। महिलाओं को हर क्षेत्र में प्रोत्साहन मिल रहा है, स्वतंत्र पहचान मिल रही है और वे राजनीति के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, क्षमता एवं कौशल का लोहा मनवा रही है। मोदी सरकार ने 27 साल से भी ज्यादा इंतजार के बाद पहली बार महिला आरक्षण बिल लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पारित कराया। इस बीच मोदी सरकार ने महिलाओं को लेकर बनाई गई योजनाओं का नाम भी ऐसे रखा, जो सीधे महिलाओं के दिल को छू रही है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के जरिए महिलाओं को गैस सिलिंडर देना, जनधन योजना के तहत खाता खुलवाना, मुस्लिम महिलाओं को लेकर तीन तलाक को कानूनी रूप से खत्म करना जैसे विधेयक ने जहां प्रधानमंत्री मोदी के कद को बढ़ाया वही महिलाओं की राजनीति में सक्रियता एवं मतदान में अधिक हिस्सेदारी को नये पंख दिये हैं। इन योजनाओं से 20 करोड़ से भी ज्यादा महिलाओं, 5 करोड़ से ज्यादा स्कूलों छात्राओं और 11 करोड़ से ज्यादा कामकाजी महिलाओं को लाभ पहुंचा है।

अब महिलाएं राजनीति एवं राजनेताओं के वजूद को बनाने में महत्वपूर्ण हो गयी है। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड में सत्तारूढ़ दलों की चुनावों के बाद फिर वापसी में महिला मतदाताओं की भूमिका निर्णायक रही। मध्यप्रदेश में लाडली बहन, महाराष्ट्र में माझी लाडकी बहिन व झारखंड में मंईयां सम्मान योजना इसके उदाहरण हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार, कर्नाटक में गृहलक्ष्मी, ओडिशा में शुभद्रा योजना तथा असम में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना सामने आई है। यह होड़ आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी नजर आ रही है। एक ओर जहां आप सरकार ने महिला वोटरों के लिये महिला सम्मान योजना के तहत 2100 रुपये देने का वायदा किया, वहीं कांग्रेस ढाई हजार रुपये देने की योजना बना रही है। इस दिशा में भाजपा भी गंभीर है। दरअसल, दिल्ली में महिला वोटरों का प्रतिशत पुरुष वोटरों के पास पहुंच गया है। कहा जाता है कि साल 2020 के चुनावों में महिला मतदान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन जरूरत इस बात की है कि महिलाओं से जुड़ी योजनाएं एवं उन्हें दी जाने वाली मुफ्त सुविधाएं सत्ता प्राप्ति या वोट हासिल करने का स्वार्थी हथियार न होकर स्थायी प्रभाव व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का जरिया हो।

उल्लेखनीय तथ्य है कि जब किसी राज्य में महिलाओं का विकास हुआ है तो वे अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति अधिक सजग हुई हैं। उन्हें सरकारों की मुफ्त की स्कीमें भी खूब लुभा रही हैं। एसबीआई की रिसर्च रिपोर्ट बताती है कि महिला केंद्रित योजना लागू करने वाले राज्यों की संख्या 19 हो गई है। जिसमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, असम व कर्नाटक जैसे राज्य अग्रणी हैं। इन राज्यों में औसतन 7.8 लाख (कुल 1.5 करोड़) महिला वोटरों की संख्या में इजाफा हुआ है। केन्द्र एवं राज्यों की महिला कल्याणकारी योजनाओं के कारण महिला मतदान बढ़ा है, जिनमें 45 लाख महिलाएं साक्षरता में वृद्धि के कारण मतदाता बनी हैं, 36 लाख महिलाएं रोजगार और मुद्रा योजना की वजह से मतदान किया है, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर का मालिक बनने के कारण 20 लाख महिलाएं मतदान के लिए गई थी और वहीं 21 लाख महिलाएं स्वच्छता, बिजली और पानी की पहुंच में सुधार के कारण मतदान के लिये अग्रसर हुई।

चुनाव के दौरान नेताओं एवं राजनीतिक दलों के द्वारा किए गए मुफ्त सुविधाओं के वादों को केवल राजनीतिक दृष्टि से ही नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसके आर्थिक पक्ष पर भी विचार किया जाना चाहिए। पंजाब में महिलाओं को एक हजार रुपये देने के आम आदमी पार्टी की घोषणा के बावजूद यह राशि न देना महिलाओं को ठगना है, उनके सम्मान को आघात लगाना है। अगर इन वादो के लिए राज्य के पास अपर्याप्त धन और सीमित संसाधन हैं तो ऐसे वादो से बचना चाहिए। राज्यों द्वारा चुनावी फायेद के लिए की गई मुफ्त सुविधाओं की घोषणा के लिए राजस्व जुटाना मुश्किल हो जाता है। मुफ्त की योजनाओं से राज्य का आर्थिक ढांचा कमजोर हो सकता है क्योंकि दी जाने वाली सब्सिडी का राज्य की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव पड़ेगा। अगर कोई सत्ताधारी दल, राजनीतिक लाभ के लिये सरकारी पैसे को मुफ्तखोरी पर खर्च करते हैं, तो इससे राज्य का वित्तिय ढांचा बिगड़ सकता है। राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव के दौरान सार्वजनिक धन से मुफ्तखोरी और तर्कहीन वादे करना स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए भी खतरा पैदा कर सकते हैं। मुफ्तखोरी की घोषणाएं स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की धारणा के खिलाफ है क्योंकि जाहिर तौर पर हर राजनीतिक दल की सार्वजनिक धन तक पहुंच नहीं होगी। मुफ्त के वादे को लेकर राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी सवाल है कि यह प्रथा कैसे नैतिक है क्योंकि यह मतदाताओं को लुभाने के लिए एक तरह से रिश्वत देने के समान है। जानकारों का मानना है कि श्रीलंका के आर्थिक पतन का कारण वहां के राजनीतिक दलो द्वारा दिए गए मुफ्त उपहार रहे हैं। हालांकि गरीबों की मदद के लिए चिकित्सा, शिक्षा, पानी और बिजली जैसी आधारभूत जरुरतों और कुछ कल्याणकारी योजनाओं के लिए धन के व्यय को जायज ठहराया जा सकता है। इसी तरह महिलाओं के लिये कुछ योजनाएं रोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दृष्टि से उपयोगी हो सकती है। लेकिन इन योजनाओं को वोट हथियाने का माध्यम बनाना लोकतंत्र के लिये शुभ नहीं है। केवल सत्ता प्राप्ति के लिए मुफ्त की राजनीति का खेल न खेलकर हमें स्वस्थ लोकतंत्र एवं उज्ज्वल चरित्र को बढ़ावा देना चाहिए। वोट पाने की खातिर लोकतंत्र की आत्मा को नष्ट नहीं किया जाना चाहिए।

मुद्दा

डॉ सत्यवान सौरभ

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

रिटायर्ड अफ़सरों के बोझ तले दबा आरटीआई

भारत में सूचना आयुक्तों के रूप में सेवानिवृत्त सिविल सेवकों के प्रभुत्व ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) ढांचे की स्वतंत्रता और विविधता के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं। जबकि उनका अनुभव मूल्यवान हो सकता है, इस ने संभावित पूर्वाग्रहों और सीमित प्रतिनिधित्व पर बहस छेड़ दी है। इस तरह के प्रभुत्व के निहितार्थ और उम्मीदवारों के लिए पात्रता मानदंड को व्यापक बनाने के लिए सुधारों की आवश्यकता का पता लगाता है। आरटीआई ढांचे में स्वतंत्रता और विविधता के बारे में कई चिंताएँ हैं। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों का प्रभुत्व एक संकीर्ण, एकरूप दृष्टिकोण बनाता है, जो निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में विविधता को कम करता है। सेवानिवृत्त नौकरशाहों को अक्सर प्रतिष्ठान का हिस्सा माना जाता है, जिससे सरकार की कार्रवाइयों को निष्पक्ष रूप से चुनौती देने की उनकी क्षमता सीमित हो जाती है। पूर्व सरकारी कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों के प्रति पूर्वाग्रह प्रदर्शित कर सकते हैं, जिससे अपीलों को संभालने में निष्पक्षता कम हो सकती है।

एक सेवानिवृत्त अधिकारी उन विभागों के खिलाफ निर्णय लेने में संकोच कर सकता है, जिनके लिए उन्होंने कभी काम किया था, जिससे समझौतापूर्ण फैसले होते हैं। पारदर्शिता में विशेषज्ञता की कमी एक बड़ा मुद्दा है। सेवानिवृत्त सिविल सेवकों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक विशेष ज्ञान की कमी हो सकती है, जो आरटीआई अधिनियम का मुख्य हिस्सा है। सेवानिवृत्त नौकरशाह वर्तमान सामाजिक मुद्दों से कटे हुए हो सकते हैं, जिससे सार्वजनिक शिकायतों को प्रभावी ढंग से सम्बोधित करने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। प्रशासनिक पृष्ठभूमि से आने वाले सूचना आयुक्त समकालीन दृष्टिकोण से सूचना तक पहुँचने के बारे में जनता की चिंताओं को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं। लंबे समय तक सरकारी सम्बद्धता वाले नौकरशाहों की नियुक्ति से जवाबदेही कम हो सकती है, क्योंकि उनके निर्णय सरकारी हितों के साथ संरेखित हो सकते हैं। विशिष्ट राजनीतिक दलों से सम्बंध रखने वाले नौकरशाह सरकारी निर्णयों को चुनौती देने में अनिच्छा दिखा सकते हैं, जिससे आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता कम हो सकती है।

सेवानिवृत्त सिविल सेवकों के प्रभुत्व का प्रभाव पड़ता है। जब चयन पूल में विविधता का अभाव होता है, तो जनता आरटीआई ढांचे की तटस्थता में विश्वास खो सकती है। सीमित नए दृष्टिकोण वाले नौकरशाहों का प्रभुत्व अक्षमता में योगदान देता है, जिससे आरटीआई अपीलों के प्रसंस्करण में देरी बढ़ जाती है। सीआईसी के 23, 000 अपीलों का बैकलॉग बताता है कि नए दृष्टिकोण के बिना नौकरशाही नियुक्तियाँ नागरिक शिकायतों के समय पर समाधान में बाधा बन सकती हैं। नियुक्तियों में विविधता की कमी के परिणामस्वरूप समान पृष्ठभूमि वाले कुछ व्यक्तियों के हाथों में शक्ति केंद्रित हो जाती है। यह प्रथा नवीन विचारों या दृष्टिकोण में परिवर्तन को रोकती है जो आरटीआई अधिनियम की प्रभावकारिता में सुधार कर सकते हैं। विविध इनपुट के बिना, आरटीआई ढांचा आधुनिक आवश्यकताओं के अनुकूल होने में विफल हो सकता है, जिससे सुधार रुक सकते हैं जो इसे और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। अगर लोगों को लगता है कि निर्णय पक्षपातपूर्ण हैं या पूर्व सरकारी अधिकारियों द्वारा प्रभावित हैं, तो वे आरटीआई प्रक्रिया से जुड़ने के लिए कम इच्छुक महसूस कर सकते हैं।

योग्य उम्मीदवारों के पूल को व्यापक बनाने के लिए सुधारों की तत्काल आवश्यकता है। विभिन्न विशेषज्ञता वाले पेशेवरों को शामिल करने से निर्णय लेने में व्यापक दृष्टिकोण आएगा। यह आरटीआई ढांचे में विविध दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है। यूके जैसे देशों में, सूचना आयुक्त कानून, पत्रकारिता और शिक्षा जैसे पृष्ठभूमि से आते हैं, जो स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बढ़ावा देते हैं। एक सार्वजनिक, पारदर्शी चयन प्रक्रिया निष्पक्षता को बढ़ावा देगी और सभी को सूचना आयुक्त की भूमिकाओं के लिए आवेदन करने का समान अवसर देगी। अमेरिका कई सरकारी निगरानी भूमिकाओं के लिए एक सार्वजनिक नामांकन प्रक्रिया का उपयोग करता है, जो उम्मीदवारों के चयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। कार्यकाल सीमित करने और आयु प्रतिबंध लागू करने से नए दृष्टिकोण को बढ़ावा मिल सकता है और सूचना आयोगों के भीतर गतिशील नेतृत्व की अनुमति मिल सकती है। ऑस्ट्रेलिया जैसे कई राष्ट्र वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यकाल को सीमित करते हैं ताकि दीर्घकालिक रूप से जड़ता से बचा जा सके और नए विचारों को प्रोत्साहित किया जा सके। नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ एक अधिक समावेशी दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि आरटीआई प्रणाली जनता की ज़रूरतों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में गैर-सरकारी संगठनों के सदस्य शामिल हैं, जो विविध दृष्टिकोणों के माध्यम से मानवाधिकारों के प्रति अपने दृष्टिकोण को मज़बूत करते हैं। आवेदनों के लिए आउटरीच और जागरूकता का विस्तार करना- रिक्तियों को सक्रिय रूप से प्रचारित करना और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ाना विभिन्न पेशेवर पृष्ठभूमि से उम्मीदवारों को आकर्षित करने में मदद करेगा, जिससे अधिक विविध पूल बनेंगे। न्यूजीलैंड जैसे देश सार्वजनिक क्षेत्र की रिक्तियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाते हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों से कुशल पेशेवर आकर्षित होते हैं। आरटीआई ढांचे की स्वतंत्रता और विविधता सुनिश्चित करने के लिए, सुधार आवश्यक हैं। विविध क्षेत्रों के पेशेवरों को शामिल करके पात्र उम्मीदवारों के पूल का विस्तार करने से नए दृष्टिकोण आ सकते हैं, पूर्वाग्रह कम हो सकते हैं और जवाबदेही बढ़ सकती है। अधिक समावेशी दृष्टिकोण प्रणाली की पारदर्शिता को मज़बूत करेगा, जिससे दीर्घकालिक रूप से जनता का विश्वास बढ़ेगा।

निर्मल आनंद, कुंभ का रोमांच

कुंभ-2025

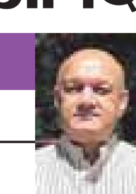

रमेश रंजन त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

कुंभ का मेला तो हमारे जमाने में लगता था, जिसमें बॉलीवुड को अपनी फिल्मों के केंद्रीय पात्र मिल जाते थे। कुंभ में बिछड़े दो बच्चे जब बड़े होकर मिलते थे तो एक डाकू और दूसरा पुलिसवाला बन चुका होता था। कितनी रोमांचक कहानी होती थी! हम तो इतने प्रभावित थे कि पिता जी से पूछते रहते थे कि भैया को लेकर कुंभ नहाने कब चलेंगे? सोचा करते थे कि जब हम दोनों में से एक खो जाएगा तो अपनी किसी निशानी को सम्भाल कर रखेगा ताकि जब फिर से परिवार से मिलें तो वे हमें उस चिन्हानी से पहचान सकें।

पिता जी झिड़क देते थे कि अभी बारह साल हैं कुंभ मेले के लिए। हम अपना सा मुँह लेकर रह जाते कि तब तक दोनों भाई इतने बड़े हो चुके होंगे कि गुम होने में मजा ही नहीं आएगा। उन दिनों कुंभ में बच्चों को लेकर जानेवाली फिल्मों जैसी लापरवाह माँ भी उनके तावीज, कपड़ा या शारीरिक निशान को याद रखने की इतनी सतर्कता बरतती थी कि जब खोया बेटा कई साल बाद मिले तो उन निशानियों से पहचान सके। आजकल की पीढ़ी इस सुख को क्या समझेगी? अब तो बीस साल बाद लौटा बेटा संपत्ति पर हिस्से के लिए डीएनए टेस्ट की हद तक जा सकता है। पहले तो माँ-बाप का वचन ही आदेश होता था। अपनी संतान को देखकर ही माँ के भीतर सकारात्मक विचारों की झड़ी लग जाती थी। इस आनंद को सरकार ने ही छीन लिया है, खोया-पाया का प्रभावी सिस्टम लाकर। गुम जानेवाला बहुत समय तक लापता होने का लुत्फ नहीं उठा पाता। उसकी ऐसी खोज खबर शुरू हो जाती है कि बेचारा झल्लाकर खुद ही पंडाल में हाजिर हो जाता है। न तावीज अपनी उपयोगिता दिखा पाता है न शरीर के निशान। बुरा हो सीसीटीवी कैमरे की खोज करनेवाले का, किसी को मुँह छिपाने लायक नहीं छोड़ा।

तभी फोन बजा। दूसरी ओर से आवाज आई- 'मैं कुंभ मेला बोल रहा हूँ। तुमको मेरा आधुनिक स्वरूप अच्छा क्यों नहीं लग रहा? अगर अब मेरे यहाँ भाई से भाई या माता-पिता से संतान नहीं बिछड़ती तो बुरा क्या है? इससे दुनिया को डाकू या पुलिसवाले मिलना बंद तो नहीं हो गए! और, बात सिर्फ मिलने बिछड़ने की नहीं है, सोचो, अब कितनी बड़ी संख्या में लोग पापमुक्त होने लगे हैं। पहले कुंभ नहाना आसान नहीं था और आबादी भी कम थी इसलिए केवल लाखों लोग मेरे पास आते थे। अब आने-जाने, रुकने की बेहतर सुविधाओं ने मुझ तक पहुँचना आसान कर दिया है इसलिए करोड़ों श्रद्धालु आने लगे हैं। अगर चालीस करोड़ लोग संगम में डुबकी लगा सके तो एक चौथाई से अधिक भारत निष्पाप हो जाएगा। तुम भी आ जाओ। कुंभ स्नान से बेसिरपैर की बातें सोचने से दूषित हुए विचारों के साथ तन-मन भी शुद्ध हो जाएगा। अपने दोस्तों को भी ले आओ।'

'श्रद्धालु तो पवित्र हो जाएंगे लेकिन आप उस कलुष के भंडार का क्या करेंगे जो करोड़ों लोग आपके पास छोड़ जाएंगे?' मैंने हाथ आए कुंभ से बातचीत के अवसर को गँवाया नहीं- 'क्या आप दूषित नहीं हो जाएंगे?' 'तुलसी बाबा कह गए हैं, समरथ को नहिं दोष गुसाईं, रवि पावक सुरसरि की नाईं', कुंभ ने समझाया- 'मेरे पास पुण्य सलिला गंगा जी हैं। मैं उनके कारण ही तीर्थराज कहलाता हूँ। यह सब गंगा, यमुना और सरस्वती जी की कृपा है।' उधर से फोन कट गया। मेरा अगला सवाल मन में ही रह गया।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ प्रेमचंद द्वितीय

किस्मत हो तो कचरे जैसी !

वाह कचरा वाह कचरा!
तेरी कीमत क्या जाने कोई,
तेरी कोई होड़ नहीं,
तुझे लेकर जनता भड़क रही है, नेता खपा हो रहे हैं
कोई आमरण अनशन पर उतारू है
तो कोई प्रदर्शन, रैली के लिए, नगर बंद कब आगाज कर रहा है।

यह गुनगुनाते हुए मॉर्निंग वॉक में पंडित शिवनारायण जी आए और बोले किस्मत हो तो कचरे जैसी ! और बोले कहावत है कि कूड़े, कचरे, घूड़े के दिन भी फिरते हैं। करीब 40 बरस तक कोई वीआईपी नहीं रह सकता लेकिन भोपाल के कचरे ने वीआईपी के सारे मापदंडों को तोड़ दिया और वीआईपी बनकर रहा। जब इस कचरे के प्रस्थान करने की घड़ी आई तब भी यह कचरा वीआईपी के तौर पर स्थानांतरित हो गया।

इस पर सुनील भैया बोले कचरा विषैला है या अविषेला है यह दोनों ही स्थितियों में कचरा कचरा ही होता है। यह न तो वापरने के काम आता है, न ही न काम में लाने जैसे रहता है। फिर भी इस कचरे के जलवे के कारण इसे जलाने का उपक्रम किया जा रहा है। एक विशेष भस्मक ईजाद किया गया जो इस कचरे को जलाएगा, यही एक मात्र कचरा है जो जलेगा भी और दफन भी होगा। दोनों ही अंतिम संस्कार की रस्म को यह पूरा करेगा।

वे बोले इस वीआईपी कचरे का दाग धोने की घड़ी बताई जा रही है, लेकिन कचरा न तो दागदार होता है न हीं बेदाग !यह कचरा हटने के साथ ही यूको जो कि इस कचरे के लिए दागी हो गई थी उसका दाग जरूर खत्म कर देगा। और हा इस भोपाली कचरे ने चालीस बरस तक राजधानी में डेरा डालकर राज किया, इस कचरे को कचरा बनाने वाले वांडरसन को अंडर जेल नहीं किया जा सका, यह इस कचरे की ही अहमियत थी जिसने अपने दम से वांडरसन को वंडर, सन, बनाए रखा और कचरा बनाने वाला राख हो गया लेकिन कचरे की साख बना गया।

इस पर एकनाथ जी बोले दुनिया में यह पहला ऐसा कचरा होगा जिसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए, ग्रीन कॉरिडोर, बनाना पड़ा है अंगों के प्रत्यारोपण के लिए ग्रीन कॉरिडोर तो बनते देखे हैं लेकिन कचरा ग्रीन कॉरिडोर पर सफर करेगा ।यह कचरे की महानता को दर्शाएगा। आनन फानन में इस कचरे को सम्मान के साथ हटाने के लिए कंटेनरो में लोड किया गया।

इस पर इतिहास विषय से जुड़े योगेंद्र जी बोले यह दुनिया का एकमात्र ऐसा कचरा होगा इसके बनने से लेकर भस्म होने, दफन होने तक पल-पल का रिकॉर्ड किया जाएगा इन्हीं विशेषता के कारण यह कचरा रिकॉर्ड तोड़ गुणवत्ता वाला कचरे की श्रेणी में शामिल होगा। यदि भविष्य में कचरे की कोई स्पर्धा होगी तो इस कचरे की

आस्था और विज्ञान का संगम

महाकुंभ

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
लेखक स्तंभकार हैं।

भारत जिसे आस्था और विविधता का देश कहा जाता है, अपने पर्वों और मेलों के लिए प्रसिद्ध है। इनमें महाकुंभ मेला सबसे प्रमुख है। महाकुंभ मेला भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं का एक अभूतपूर्व आयोजन है। यह केवल आस्था का पर्व नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक पहलुओं का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। प्रयागराज, जहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का संगम होता है, इस महापर्व का मुख्य केंद्र है। महाकुंभ का आयोजन हर 12 वर्ष में खगोलीय गणनाओं के आधार पर होता है, और इसे मोक्ष प्राप्ति का पवित्र अवसर माना जाता है। प्रयागराज में संगम के पवित्र तट पर आयोजित होने वाला महाकुंभ न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व से करोड़ों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

यह आयोजन करोड़ों श्रद्धालुओं, साधु-संतों, और विभिन्न अखाड़ों को एक मंच पर लाता है। आधुनिक प्रौद्योगिकी, जैसे जीपीएस ट्रैकिंग और एआई आधारित भीड़ प्रबंधन, इसे प्रभावशाली और सुरक्षित बनाते हैं। इसके साथ ही, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए यह भारत की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक प्रगति का प्रतीक बन चुका है। महाकुंभ भारतीय एकता और सहिष्णुता का अनुपम उदाहरण है।

महाकुंभः एक ऐतिहासिक और पौराणिक परिप्रेक्ष्य- महाकुंभ मेले की शुरुआत का उल्लेख वैदिक काल से मिलता है। पुराणों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान देवताओं और असुरों के बीच अमृत कलश के लिए संघर्ष हुआ। इस संघर्ष में अमृत की कुछ बूंदें पृथ्वी पर चार स्थानों–प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, और नासिक–पर गिरीं। इन स्थानों पर अमृत कलश से संबंधित खगोलीय स्थितियां बनने पर महाकुंभ का आयोजन होता है।

प्रयागराज, जिसे पहले इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था, गंगा, यमुना, और सरस्वती नदियों के संगम का स्थान है। इस पवित्र स्थान का उल्लेख महाभारत और रामायण जैसे प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है।

ऐतिहासिक साक्ष्य- महाकुंभ के आयोजन का पहला ऐतिहासिक विवरण 7वीं सदी में चीनी यात्री ह्वेनसांग के वृत्तांतों में मिलता है। इसके बाद मुगल सम्राट अकबर ने इस स्थान की पवित्रता को स्वीकार करते हुए इसे इलाहाबाद नाम दिया। ब्रिटिश काल में भी कुंभ मेले का महत्व बना रहा, और आधुनिक भारत में इसे और व्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाने लगा।

धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व- महाकुंभ मेला भारतीय जनमानस में गहरी धार्मिक जड़ें रखता है। इसका प्रमुख आकर्षण संगम में स्नान करना है। हिंदू धर्म में माना जाता है कि कुंभ के समय संगम में स्नान करने से जीवन के पाप समाप्त होते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

खगोलीय महत्व- महाकुंभ का आयोजन खगोलीय गणनाओं पर आधारित है। सूर्य, चंद्रमा, और बृहस्पति की विशेष स्थिति जब मेष और कुंभ राशियों में आती है, तब यह आयोजन होता है। इसे धार्मिक दृष्टि से शुभ माना जाता है।

अखाड़ों की भूमिका- महाकुंभ में साधु-संतों और अखाड़ों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अखाड़ों के प्रमुख नागा साधु होते हैं, जो अपने विशेष तरीके से मेला स्थल की शोभा बढ़ाते हैं। इन अखाड़ों के धर्मोपदेश, शास्त्र चर्चा, और धार्मिक गतिविधियां मेले की आत्मा होती हैं।

अनुष्ठान और परंपराएं- महाकुंभ में स्नान के साथ-साथ यज्ञ, हवन, कथा वाचन, और सत्संग का आयोजन होता है। ये धार्मिक गतिविधियां न केवल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति प्रदान करती हैं, बल्कि समाज में नैतिकता और सदाचार के प्रसार का माध्यम भी बनती हैं।

आधुनिक विज्ञान और प्रबंधन का योगदान- महाकुंभ, जिसमें करोड़ों लोग एकत्रित होते हैं, केवल धार्मिक आयोजन नहीं है। यह आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और प्रशासनिक कौशल के प्रयोग का भी एक बड़ा उदाहरण है।

भीड़ प्रबंधन और तकनीकी उपाय- कुंभ मेले में करोड़ों श्रद्धालु आते हैं। इस विशाल भीड़ को नियंत्रित करने और दुर्घटनाओं से बचने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

जीपीएस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः 2019 के प्रयागराज कुंभ में, भीड़ प्रबंधन के लिए जीपीएस आधारित ट्रैकिंग सिस्टम और एआई तकनीक का उपयोग किया गया। इससे भीड़ के प्रवाह की रियल-टाइम निगरानी की गई। ड्रोन और सीसीटीवी- पूरे मेले के दौरान ड्रोन कैमरे और सीसीटीवी का उपयोग किया गया ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। रियल-टाइम अलर्ट सिस्टमः एकीकृत कमांड सेंटर की मदद से किसी भी आपात स्थिति का तुरंत समाधान किया जाता है।

जल की शुद्धता और स्वास्थ्य प्रबंधन- संगम का जल लाखों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद स्वच्छ कैसे रहता है? इसका वैज्ञानिक कारण गंगा जल में पाए जाने वाले बैक्टीरियोफेज वायरस हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करते हैं।

इसके अतिरिक्त, कुंभ के दौरान स्वास्थ्य प्रबंधन एक बड़ी

चुनौती होती है।

इसे सुनिश्चित करने के लिए

1. अस्थाई अस्पतालों और चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता है।
2. डिजिटल हेल्थ रिकॉर्डिंग सिस्टम का उपयोग किया जाता है।
3. स्वच्छता और सफाई सुनिश्चित करने के लिए बायो-डिग्रेडेबल टॉयलेट्स और कचरा प्रबंधन प्रणाली का उपयोग किया गया।

स्मार्ट सिटी मॉडल का प्रयोग- 2019 के महाकुंभ में प्रयागराज को अस्थायी रूप से एक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया गया। इसमें मोबाइल टावर, वाई-फाई, और सोलर एनर्जी सिस्टम का उपयोग किया गया।

पर्यावरणीय चुनौतियां और समाधान- महाकुंभ जैसे विशाल आयोजन से पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। लाखों श्रद्धालुओं के आने से नदी के जल और आसपास के पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है।

चुनौतियां

1. **जल प्रदूषणः** स्नान, पूजा सामग्री, और कचरे के कारण संगम का जल प्रदूषित होने की संभावना रहती है।
2. **कचरा प्रबंधनः** मेले के दौरान प्लास्टिक और अन्य कचरे की बड़ी मात्रा उत्पन्न होती है।
3. **ध्वनि और वायु प्रदूषणः** मेले में वाहनों और लाउडस्पीकर के उपयोग से प्रदूषण होता है।

समाधान

1. **बायो-डिग्रेडेबल सामग्री का उपयोग-** 2019 में प्लास्टिक पर रोक लगाई गई और पूजन सामग्री को अलग से नष्ट करने की व्यवस्था की गई।
2. **कचरा प्रबंधन प्रणाली-** ठोस और तरल कचरे के पुनर्चक्रण के लिए विशेष संयंत्र लगाए गए।
3. **पर्यावरण जागरूकता अभियान-** श्रद्धालुओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए गए।

सामाजिक और आर्थिक प्रभाव- महाकुंभ का प्रभाव केवल धार्मिक नहीं है, बल्कि इसका सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सामाजिक प्रभाव- महाकुंभ समाज में एकता, सहिष्णुता, और सहयोग की भावना को बढ़ावा देता है। यह भारत के विविध धार्मिक और सांस्कृतिक समूहों को एक मंच पर लाता है।

आर्थिक योगदान

1. रोजगार का सृजन- महाकुंभ से लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। इसमें निर्माण कार्य, परिवहन, होटल उद्योग, और स्थानीय व्यापार शामिल हैं।

2. पर्यटन को बढ़ावा- महाकुंभ में देश-विदेश से पर्यटक आते हैं, जिससे भारत के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलता है।

3. स्थानीय हस्तशिल्प और उत्पादों की बिक्री- मेला स्थानीय कारीगरों और व्यापारियों के लिए एक बड़ा बाजार प्रदान करता है।

महाकुंभः सांस्कृतिक और धार्मिक समन्वय का प्रतीक- महाकुंभ भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, और आधुनिकता का संगम है। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्थाओं का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता और वैज्ञानिक प्रगति का भी उदाहरण है।

संस्कृति का आदान-प्रदान- महाकुंभ विभिन्न प्रांतों और समुदायों के लोगों को जोड़ता है। यह भारत की 'विविधता में एकता' की अवधारणा को साकार करता है।

आध्यात्मिक शांति- संगम में स्नान और धार्मिक गतिविधियां लोगों को मानसिक और भावनात्मक शांति प्रदान करती हैं।

प्रयागराज का महाकुंभ मेला एक ऐसा आयोजन है, जो भारत की सांस्कृतिक धरोहर, धार्मिक आस्थाओं, और वैज्ञानिक प्रगति को एक मंच पर लाता है। यह न केवल भारतीय जनमानस की श्रद्धा को दर्शाता है, बल्कि विश्व को यह संदेश भी देता है कि भारतीय परंपराएं और संस्कृति कितनी प्राचीन और प्रासंगिक हैं।

महाकुंभ एक अद्वितीय आयोजन है, जहां आध्यात्मिकता, विज्ञान, और सामाजिक समन्वय का अनुपम संगम देखने को मिलता है। यह मेला न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता, भीड़ प्रबंधन, और प्रशासनिक कुशलता का भी बेहतरीन उदाहरण है।

महाकुंभ मेले के माध्यम से भारत विश्व के सामने यह दिखाने में सफल होता है कि किस प्रकार आस्था और विज्ञान का सामंजस्य समाज के कल्याण के लिए कार्य कर सकता है। यह आयोजन भारतीय समाज की सहिष्णुता, एकता, और बहुलता का प्रतीक है।

आने वाले समय में महाकुंभ के आयोजन को और भी व्यवस्थित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के प्रयास जारी रहेंगे। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इस पवित्र आयोजन की परंपराएं और पर्यावरणीय संतुलन दोनों बनाए रखें। साथ ही, डिजिटल तकनीक और स्मार्ट सिटी प्रबंधन के माध्यम से इसे और प्रभावशाली और सुगम बनाया जा सकता है।

प्रयागराज का महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक चेतना, सांस्कृतिक धरोहर, और आधुनिक प्रशासनिक कौशल का जीवंत प्रमाण है। यह मेला एक ऐसा आयोजन है, जो समय के साथ न केवल भारतीय समाज को जोड़ता है, बल्कि विश्व भर में भारतीय संस्कृति की गरिमा को भी स्थापित करता है।

एचएमपीवी को लेकर चिंता नहीं, सावधानी जरूरी

सेहत

चेतनादित्य आलोक
लेखक स्तंभकार हैं।

पड़ोसी देश चीनएक बार फिर दुनियाभर के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। दरअसल, कोविड-19 यानी कोरोना वाइरस जनित विश्वव्यापी महामारी के बाद अब चीन में एक और वायरस का कहर देखने को मिल रहा है। बता दें कि पिछले कुछ महीनों से यहां पर ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस यानी एचएमपीवीवायरस काफी तीव्रता से अपने पैर पसार रहा है। सर्वाधिक दुःख और चिंता की बात तो यह है कि अब इस वायरस ने भारत में भी दस्तक दे दी है यानी भारत में इसकी एंट्री हो चुकी है। गौरतलब है किचीन में काफी तेजी से लोगों को अपना शिकार बना रहे एचएमपीवी वाइरस के भारत में मंगलवार 08 जनवरी 2025 तक कुल 08 मामलोंकी सूचना मिल चुकी है। इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) ने स्वयं इन मामलों की पुष्टि की है। हालांकि, इतने बड़े देश में, जहां दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या निवास करती है, इस बात की पूरी संभावना है कि इससे बहुत बड़ी संया में भी लोग संक्रतिम हों, क्योंकि हमारे देश में अब तक ऐसी कोई प्रणाली विकसित नहीं हो पाई है, जिसके माध्यम से देश के सारे संक्रमित अथवा प्रभावित लोगों का डेटा उपलब्ध कराया जा सके। बहरहाल, अब तक सामने आ चुके मामले देश के तीन राज्यों बेंगलुरु, तमिलनाडु और गुजरात से सामने आए हैं। एचएमपीवी वाइरस से जुड़ी एक विशेष बात यह सामने आई है कि अब तक इसके अधिकांश मामले छोटे बच्चों में ही पाए गए हैं। अभी तक पाए गए मामलों में सबसे कम आयु वाला संक्रमित एक दो महीने का नन्हां शिशु है।

चिंतित होने की आवश्यकता नहीं- देखा जाए तो चीन में एचएमपीवी वाइरस के हजारों मामले सामने आए हैं। वहीं, चीन से आने वाले वीडियो को देखकरदुनिया भर के लोग चिंतित होने लगे हैं, लेकिनप्रसन्नता की बात यह है कि एचएमपीवी वाइरस कोविड-19 यानी कोरोना वाइरस की तरह घातक नहीं है। 'द गार्डियन' की एक रिपोर्ट के अनुसार विशेषज्ञ मानते हैं कि एचएमपीवी कोविड जैसा नहीं है। यह वायरस दशकों से मौजूद है। इसलिए इसे लेकर लोगों में एक स्तर तक इम्युनिटी मौजूद है, जबकि कोविड-19 एक नई बीमारी थी, जिससे इंसान पहले कभी भी संक्रमित नहीं हुआ था, इसीलिए वहएक महामारी बन गई। दूसरे शब्दों कहा जाए तो जिस प्रकार कुछ वर्ष पूर्व कोरोना वाइरस जनित विश्वव्यापी महामारी से पूरी दुनिया त्राहि-त्राहि करती थी, अनगिन लोगों की मौत से सब तरफ श्मशान-सी शांति और उदासी व्याप्त थी, उस प्रकार इस एचएमपीवी वाइरस से मनुष्य को खतरा नहीं है। इसलिए एचएमपीवी वाइरस को लेकर लोगों को चिंतित होने की कतई आवश्यकता नहीं है। इस मामले में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जय प्रकाश नड्डा ने भी देशवासियों को आश्वस्त किया है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा है कि यह एचएमपीवीकोई नया वायरस नहीं है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे लेकर राज्यों से सतर्कता बढ़ाने के लिएकहा है। इस बीच, एचएमपीवी को लेकर देश भर के कई बड़े डॉक्टरों ने चिंता नहीं करने की बात कही है। जाहिर है कि सोशल मीडिया तथा अन्य माध्यमों से फैलाए जा रहे भ्रमों का शिकार होकर लोगों को डरने की जरूरत नहीं है।

एचएमपीवी हैक्या- एचएमपीवी यानी ह्युमन मेटान्यूमो वायरसश्वांस के रोग यथा सर्दी, जुकाम आदि जैसेसंक्रमणफैलाने वाला वायरस है। यह एक 'आरएनए' वायरस है। ज्ञातव्य है कि यह वायरस 'न्युमोवेरिडे परिवार' से जुड़ा है। यह आरएसवी अथवारेस्पिरेटरी सिंसिटल वायरस जैसा ही संक्रमित करने वाला वाइरस है। बता दें किआरएसवी वायरस से संक्रमित व्यक्ति में वस्तुतः श्वांस लेने में परेशानीहोती है।

इसकी उत्पत्ति कैसे हुई- गौरतलब है कि एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है, जैसा कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जय प्रकाश नड्डा ने भी कहा है। 'साइंस डाइरेक्ट'के अनुसार एचएमपीवी वायरस की उत्पत्ति 200 से 400 वर्ष पहले चिड़ियों से हुई थी। ऐसा माना जाता है कि अपनी इस लंबी यात्रा में इसने स्वयं को बार-बार बदला है और अब यह वायरस चिड़ियों को संक्रमित नहीं कर सकता।अमेरिकी सरकार की 'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेन्शन' के अनुसार मनुष्यों में इसकी उपलब्धता की पहचान 2001 में की गई।तात्पर्य यह कि 2001 में इसका पहला मामला सामने आने के बाद ही इस बात का पता चल पाया कि यह वायरस मनुष्यों को संक्रमित कर सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इसे सबसे पहले नीदरलैंड में नए वायरस के तौर पर पहचाना गया था। हालांकि, शोध में यह पाया गया है कि एचएमपीवी वायरस लगभग पिछले 60 वर्षों से मनुष्यों के भीतर अपनी उपस्थिति बनाए हुए है।

यह कैसे फैलता है- विशेषज्ञ बताते हैं कि एचएमपीवी वाइरस से संक्रमित व्यक्ति में जुकाम से मिलते-जुलते लक्षण दिखाई देते हैं। इससे संक्रमित व्यक्ति को सर्दी, खांसी, नाक बहने, गले में खराश होने और बुखार आने की परेशानी हो सकती है। वहीं, कुछ मामलों में इससे संक्रमित व्यक्ति को श्वांस लेने में दिक्कत हो सकती है, जबकिकुछ लोगों को न्युमोनिया भी हो सकता है। दरअसल, एचएमपीवी एक संक्रामक वायरस है। विशेषज्ञों के अनुसार इसका प्रसार सर्दी और जुकाम की तरह होता है यानी एचएमपीवी ग्रसित व्यक्ति के खांसने, छींकने, हाथ मिलाने और ऐसी सतहों को छूने से होता है, जहां यह वायरस मौजूद हो। हवा में घुली छोटी-छोटी बूंदें इसका संवाहक होती हैं। सामान्यतः एचएमपीवी वाइरस से संक्रमण के अधिकांश मामले सर्दियों में सामने आते हैं।

सर्वाधिक प्रभावित कौन- एचएमपीवी वाइरस का सबसे अधिक प्रभावपांच वर्ष से कम आयु के बच्चों और 65 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धों पर होता है। गौरतलब है कि इसके सर्वाधिक मामले भी इसी आयुवर्ग के लोगों में सामने आते हैं। बता दें कि अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए एक शोध में 81 प्रतिशत एचएमपीवी संक्रमित रोगीदोवर्ष से कम आयु के थे। यहां तक कि भारत में भी हाल ही में इससे संक्रमित हुए अधिकांश रोगी बच्चे ही हैं और उनकी आयु एक वर्ष से भी कम ही है। विशेषज्ञों द्वारा किए गए एक अन्य शोध में यह बात भी सामने आई थी कि खांसी और जुकाम जैसे लक्षणों से प्रभावित लगभग 04-16 प्रतिशत बच्चे एचएमपीवी से ग्रसित थे।

यह कितना खतरनाक है- विशेषज्ञों का मानना है कि एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। चीन में हाल ही में हुए इसके प्रकोप के कारणइसने एक बार फिर से सुर्खियां बटोरी हैं। हालांकि, विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि यह जांच अवश्य की जानी चाहिए कि कहीं इसका कोई नया स्ट्रेन तो नहीं फैल रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जानलेवा तो नहीं है, लेकिन अधिक आयु के लोगों पर लगातार नजर रखी जानी चाहिए।वहीं,शिशुओ, छोटे बच्चों, बुजुर्गों विशेषकर 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों, कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों, श्वांस या हृदय के रोगियों और पुराने एवं गंभीर रोगों से ग्रसित व्यक्तियों के लिए यह घातक भी हो सकता है, क्योंकिऐसे लोगों में निमोनिया या ब्रोंकियोलाइटिस जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है।

रोगी कितने दिनों में ठीक होता है- स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसारएचएमपीवी वाइरस से संक्रमित अधिकांश व्यक्तिसामान्यतःबिना किसी कॉम्प्लिकेशन के सामान्य वायरल बीमारी की तरह एक सप्ताह के भीतर ठीक हो जाता है। हालांकि, गंभीर मामलों में, विशेष रूप से हाई रिस्क ग्रुप वाले लोगों के ठीक होने में अधिक समय लग सकता है और अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत भी पड़ सकती है।

कैसे किया जाए बचाव?- एचएमपीवी के अधिकांश मामले बच्चों में पाए जाने के कारण उनके विषय में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसारलोगों को बार-बार साबुन से हाथ धोने एवं मास्क लगानेके अतिरिक्तसर्दी, खांसी और जुकाम होने पर तुरंत जांच कराना चाहिए। साथ ही, सर्दी, खांसी और जुकाम से ग्रसित व्यक्ति से दूरी बनाकर रहना चाहिए। हालांकि, इस वायरस से लड़ने में काफी हद तक हमारा शरीर ही सक्षम है, लेकिन किसी भी प्रकार की विसंगति लगने पर तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

– (इतिश्री)

मकर संक्रांति विशेष

तिल गुड़ खा जाना रे

कमलेश कुमार दीवान

सूर्य किरण उत्सव आए,
तुम भी आ जाना रे
तिल गुड़ खा जाना रे।
रूठ गई है धूप,
चांद सा सूरज दिखता है
हवा बहे बहुत बर्फीली,

मौसम खुशबू लिखता है।
चादर ओढ़ धरा चुप चुप सी है,
गुम सुम हैं नदियां
धारा थमी थमी सी हैं,
चुप चुप है सदियां।
गांव गांव चौपाल जहां
अलाव सुलगता है
गली गली की बात वहां,
हर एक उगलता है
संक्रांति के सूर्य आए
जब तुम भी आ जाना रे।
तिल गुड़ खा जाना रे।

आस्था और विश्वास का संगम है गंगासागर

मकर संक्रांति पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा
लेखक पत्रकार हैं।

भारत में सबसे पवित्र गंगा नदी गंगोत्री से निकल कर पश्चिम बंगाल में सागर से मिलती है। गंगा का जहां सागर से मिलन होता है उस स्थान को गंगासागर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को सागरद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। गंगासागर सिर्फ़ एक तीर्थस्थल नहीं है। यह भावना, संस्कृति, आस्था और विश्वास का संगम है। जीवन का उत्सव है। धर्म हमेशा से ही इस भूमि की संस्कृति में समाया हुआ है। कुम्भ मेले को छोडकर देश में आयोजित होने वाले अन्य सभी मेलों में गंगासागर का मेला सबसे बड़ा मेला होता है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में इसकी चर्चा मोक्षधाम के तौर पर की गई है। जहां मकर संक्रान्ति के मौके पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लेकर आते हैं और सागर-संगम में डुबकी लगाते है।

मान्यता के अनुसार साल की 12 संक्रान्तियों में मकर संक्रान्ति का सबसे महत्व ज्यादा है। इस दिन सूर्य मकर राशि में आता हैं और इसके साथ देवताओं का दिन शुरु हो जाता है। गंगासागर के संगम पर श्रद्धालु समुद्र को नारियल और यज्ञोपवीत भेंट करते हैं। समुद्र में पूजन एवं पिण्डदान कर पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में स्नान-दान का महत्व शास्त्रों में विस्तार से बताया गया है। मेले में आये लोग कपिल मुनि के आश्रम में उनकी मूर्ति की पूजा करते हैं। मन्दिर में गंगा देवी, कपिल मुनि तथा भागीरथ की मूर्तियां स्थापित हैं।

मकर संक्रांति पर जैसे ही सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। लाखों तीर्थयात्री पवित्र संगम पर डुबकी लगाते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन गंगासागर में जो श्रद्धालु एक बार स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय दान करने का फल मिलता है। गंगासागर की तीर्थयात्रा सैकड़ों तीर्थयात्राओं के समान मानी जाती है। पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ हैं। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। सुन्दरवन निकट होने के कारण गंगासागर मेले को कई विषम स्थितियों का सामना करना पड़ता है। तूफान व ऊंची लहरें हर वर्ष मेले में बाधा डालती हैं। इस द्वीप में ही रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है। यहां दलदल, जलमार्ग तथा छोटी छोटी नदियां, नहरें भी है। बहुत पहले इस स्थान पर गंगा जी की धारा सागर में मिलती थी। किंतु अब इसका मुहाना पीछे हट गया है। अब इस द्वीप के पास गंगा की एक बहुत छोटी सी धारा सागर से मिलती है। यह मेला पांच दिन चलता है। इसमें स्नान मुहूर्त तीन दिनों का होता है। यहां अलग से गंगाजी का कोई मंदिर नहीं है। मेले के लिये एक स्थान निश्चित है। कहा जाता है कि यहां स्थित कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर सागर की लहरें बहा ले गयी थी। मन्दिर की मूर्ति अब कोलकाता में रहती है और मेले से कुछ सप्ताह पूर्व यहां के पुरोहितों को पूजा अर्चना के लिये मिलती है।

गंगासागर में मकर संक्रान्ति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता के कारण

लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष तौर कपिल मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनी के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेंना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरुप कपिलमुनी का जन्म हुआ जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया। आगे चल कर गंगा और सागर के मिलन स्थल पर कपिल मुनि आश्रम बना कर तप करने लगे।

इस दौरान राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ आयोजित किया। इस के बाद यज्ञ के अश्वों को स्वतंत्र छोड़ा गया। परिपाटी है कि ये जहां से गुजरते हैं वे राज्य अधीनता स्वीकार करते है। अश्व को रोकने वाले राजा को युद्ध करना पड़ता है। राजा सगर ने यज्ञ अश्वों के रक्षा के लिए उनके साथ अपने 60 हजार पुत्रों को भेजा। अचानक यज्ञ अश्व गायब हो गया। खोजने पर यज्ञ का अश्व कपिल मुनि के आश्रम में मिला। फलतः सगर पुत्र साधनरत ऋषि से नाराज हो उन्हे अपशब्द कहने लगे। ऋषि ने नाराज हो कर उन्हे शापित करते हुये अपने नेत्रों के तेज से भस्म कर दिया। मुनि के श्राप के कारण उनकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी वर्षों के बाद राजा सगर के पौत्र राजा भागीरथ कपिल मुनि से माफी मांगने पहुंचे। कपिल मुनि राजा भागीरथ के व्यवहार से प्रसन्न हुए। उन्होने कहा कि गंगा जल से ही राजा सगर के 60 हजार मृत पुत्रों का मोक्ष संभव है। राजा भागीरथ ने अपने अथक प्रयास और तप से गंगा को धरती पर उतारा। अपने पुरखों के भस्म स्थान पर गंगा को मकर संक्रान्ति के दिन लाकर उनकी आत्मा को मुक्ति और शांति दिलाई। यही स्थान गंगासागर कहलाया। इसलिए यहां स्नान का इतना महत्व है।

गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहाँ कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर गंगा नदी का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है। इस सुंदर द्वीप के ज्यादातर क्षेत्र में घने जंगल है। कपिल मुनि के मंदिर, आश्रम के अलावा यहाँ महादेव मंदिर, शिव शक्ति-महानिर्वाण आश्रम, भारत सेवाश्रम संघ का मंदिर, धर्मशालायें भी है। गंगासागर वास्तव में एक टापू है जो गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है। यहां बंगला भाषी आबादी रहती है। यह पूरी तरह से ग्रामीण ईलाका है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के रहने के लिए यहां पर होटल, आश्रम व धर्मशालायें है। अब पूरे वर्ष लोग यहां लोगों का आवागमन लगा रहता है। कोलकाता से पूरे मार्ग में सडक बनी हुयी है मात्र 5 किलोमीटर पानी में नाव का सफर करना पड़ता है। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन 14 व 15 जनवरी को मुख्य मेला लगता है। जिसमें लाखों लोग स्नान और पूजा करने आते हैं। पश्चिम बंगाल सरकार मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली मुरी गंगाा नदी पर चार साल में पांच किलोमीटर लंबा गंगासागर सेतु बनाएगी। जिसके निर्माण पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाला गंगासागर मेला 17 जनवरी तक चलेगा। इस साल देश भर से 50 लाख से अधिक लोगों के मेले में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिज बनने से श्रद्धालु जलमार्ग की बजाय सड़क मार्ग से कचुबेरिया तक आ सकेगें। गंगासागर मेला किसी भी तरह कुम्भ मेले से कम नहीं है। यहां दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। इस कारण गंगासागर मेले को भी कुंभ मेले जैसा दर्जा मिलना चाहिये। ताकि यहां के विकास के लिये कुम्भ मेले की तरह अलग से बजट उपलब्ध हो सके।

जिले में 126 केंद्रों पर आयोजित होगी बोर्ड परीक्षाएं

इस साल 3 नए परीक्षा केन्द्र बनाए, 6 संवेदनशील एवं 6 अतिसंवेदनशील केन्द्र की श्रेणी में शामिल

संजय द्विवेदी, बैतूल। 10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षा फरवरी माह के अंतिम सप्ताह में होना है। इस बार 12वीं की परीक्षा 25 फरवरी और 10वीं की परीक्षा 27 फरवरी से शुरू होगी। जिसके लिए जिला स्तर पर तैयारियां अभी से की जा रही है। इस बार जिले में बोर्ड परीक्षा के लिए कुल 126 केंद्र बनाए जा रहे है। जिसमें 6 परीक्षा केन्द्र संवेदनशीन और स्वाध्यायी विद्यार्थियों के 6 परीक्षा केंद्रों को अतिसंवेदनशील केन्द्रों की श्रेणी में रखा गया है। इन परीक्षा केन्द्रों पर आब्जर्वर द्वारा निगरानी रखी जाएगी। इन परीक्षाओ के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय (डीईओ ऑफिस) को कंट्रोल रूम बनाया जायेगा, वहीं ब्लाक स्तर पर भी कंट्रोल रूम बनेगे। सीसीटीवी की मॉनिटरिंग समन्वय संस्था और डीईओ ऑफिस से होगी। वहीं परीक्षा को लेकर केन्द्राध्यक्ष और सहायक केन्द्राध्यक्ष बनाने की कवायद शुरु हो गई है। जानकारी के मुताबिक संभवत- दो-तीन दिनों में केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी अनिल सिंह कुशवाह का कहना है कि बोर्ड परीक्षा में किसी भी प्रकार से कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्राध्यक्ष और सहायक केन्द्राध्यक्षों को मोबाइल ले जाने की अनुमति भी नहीं रहेगी। किसी ने भी नियमों का पालन नहीं किया, तो संबंधितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इस साल तीन नए परीक्षा केन्द्र बनाये गए- शिक्षा विभाग द्वारा इस साल हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल की परीक्षाओं के लिए तीन नये परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 123 परीक्षा केन्द्र पुराने थे, जिसमें जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा अनुसार 3 नये परीक्षा केन्द्रों का शामिल किया गया है। कुल मिलाकर जिले में हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल की बोर्ड परीक्षाओं के लिए 126 केन्द्र बनाये है। इन परीक्षा

केन्द्रों में तीन नए घोड़ाडोंगरी ब्लॉक का राजेगांव खापा, भैंसदेही ब्लाक का धामनगांव और बैतूल ब्लॉक के अंतर्गत कल्याणपुर को नया परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

इस बार हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल में कुल 36,455 विद्यार्थी शामिल होगे, जिनमे शासकीय/अशासकीय स्कूलों के कक्षा 10वीं के नियमित 19,814 और 1269 स्वाध्यायी विद्यार्थी, इस प्रकार कुल 21,083 विद्यार्थी शामिल है। वहीं कक्षा 12वीं में 13,697 और 1675 स्वाध्यायी विद्यार्थी, इस प्रकार कुल 15,372 विद्यार्थी शामिल है।

जिन स्कूलों में विषय शिक्षक नहीं, वहां पढ़ाएंगे शिक्षक- हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम बेहतर करने के लिए अधिकारी कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखना चाहते है। इसी के मद्देनजर अधिकारियों द्वारा निर्णय लिया है कि जिन स्कूलों में विषय शिक्षकों की कमी है या वहां पदस्थ नहीं है, ऐसे स्कूलों में समीपस्थ स्कूलों में पदस्थ विषयवार शिक्षकों को भेजा जाएगा, जिसके एवज में शिक्षकों को 1500 रुपए अतिरिक्त भुगतान किया जाएगा। वहीं अर्धवार्षिक परीक्षा के परिणामों के आधार पर जिन विद्यालयों का परीक्षा परिणाम बेहतर नहीं रहा और जो बच्चे पढ़ाई में कमजोर है, उनकी रेमेडियल/एक्स्ट्रा क्लासेस लगाकर पढ़ाई करवाई जाएगी, ताकि बेहतर परीक्षा परिणाम हासिल किया जा सके।

हिन्दी के प्रश्न पत्र से शुरू होगी बोर्ड परीक्षाए- इस साल कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं हिन्दी के प्रश्न पत्र से शुरू होगी। कक्षा 12वीं की परीक्षा 25 फरवरी व कक्षा 10वीं की परीक्षा 27 फरवरी से शुरू होगी। इनके पहले पेपर हिंदी होंगे। वहीं कक्षा 12वीं की परीक्षा 25 मार्च व कक्षा 10वीं की परीक्षा 19 मार्च तक संचालित होगी। बोर्ड परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए शिक्षा विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक हाई स्कूल और हायर सेकंडरी स्कूल की बोर्ड परीक्षा के लिए इस बार लगभग 12 केन्द्रों को संवेदनशील और अतिसंवदेनशील की श्रेणी में रखा जाएगा। इन सभी केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर आब्जर्वर के द्वारा निगरानी की जाएंगी।

16 जनवरी से आयोजित होगी प्री-बोर्ड परीक्षाएं - अर्द्धवार्षिक परीक्षा के बाद फरवरी में बोर्ड परीक्षा होगी। बोर्ड परीक्षा से पहले होने वाली प्री-बोर्ड परीक्षा इसी माह 16 जनवरी से शुरू होगी। प्री बोर्ड परीक्षा को लेकर स्कूलों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। निर्देशों के अनुसार प्रश्न पत्र विमर्श पोर्टल के माध्यम से प्राचार्य लॉगइन पर उपलब्ध होगे। जिन्हें प्राचार्य डाउनलोड कर उनके विद्यालय की छात्र संख्या अनुसार फोटोकॉपी/मुद्रित करा सकेगे। प्री-बोर्ड परीक्षा के परिणाम 31 जनवरी तक विमर्श पोर्टल पर प्रविष्ट करना होगा। बता दे कि अर्द्धवार्षिक परीक्षा के दो माह बाद ही फरवरी में बोर्ड परीक्षाएं हो रही है। परीक्षा की तैयारी के लिए विद्यार्थियों के पास बहुत कम समय बचा है। जिला शिक्षा कार्यालय बैतूल के जिला योजना अधिकारी सुबोध शर्मा ने बताया कि शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार स्कूलों में अध्यापन कार्य कराया जा रहा है। फिलहाल बेहतर परिणाम के लिए अतिरिक्त क्लास भी लगाई जा रही है। जिसमें कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इनका कहना है -

कलेक्टर सर से मिले निर्देशों के अनुसार बोर्ड परीक्षाओं की तैयारिया जोरशोर से की जा रही है। इस साल बोर्ड परीक्षाओं के लिए कुल 126 परीक्षा केन्द्र बनाये है। जिनमे जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा अनुसार तीन नए परीक्षा केंद्र भी सम्मिलित है। 12 संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केन्द्रों पर पर्यवेक्षकों के माध्यम से निगरानी रखी जायेगी।

- सुबोध शर्मा,
जिला परीक्षा प्रभारी, डीईओ ऑफिस बैतूल

चाइनीज मांझा बेचने वाले व्यक्ति पर कार्रवाई

बैतूल। पाथाखेड़ा पुलिस ने चाइनीज मांझा बेचने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाथाखेड़ा चौकी थाना सारणी के पुलिस दल ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए जैरी चौक पाथाखेड़ा निवासी धर्मेंद्र चौधरी (52) को प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी के खिलाफ धारा 223 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। आरोपी से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित नायलॉन डोर और चाइनीज मांझा जब्त किया गया। बता दे कि जिला कलेक्टर बैतूल नरेंद्र सूर्यवंशी द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर चाइनीज मांझा के कारण होने वाले जनहानि, पशु-पक्षियों को होने वाले नुकसान और पर्यावरण पर इसके दुष्प्रभाव को देखते हुए इसके क्रय, विक्रय, संकलन एवं परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था। कलेक्टर के निर्देशानुसार चाइनीज मांझा बेचने या इसका भंडारण करने वालों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने के आदेश दिए गए थे। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया ने समस्त थाना प्रभारियों को निर्देश दिया था कि चाइनीज मांझा बेचने वालों पर विशेष निगरानी रखते हुए कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

गांजे का सेवन करते हुए दो युवक धराये

बैतूल। पाथाखेड़ा पुलिस ने गांजे के अवैध सेवन के मामले में प्रभावी कार्रवाई की। पाथाखेड़ा पुलिस को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांधी वार्ड पाथाखेड़ा में दो युवक चोरी-छिपे सार्वजनिक स्थान पर अवैध रूप से गांजा सेवन कर रहे हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए जयसिंह पिता अशोक सिंह परिहार और साहिल भारती पिता सुरेश भारती दोनों निवासी गांधी वार्ड पाथाखेड़ा को गांजा पीते हुए मौके पर पकड़ा। आरोपियों के पास से गांजा सेवन में उपयोग की जाने वाली सामग्री (चिलम) जब्त की गई। जिनके खिलाफ धारा 27 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

अवैध हथियार रखने और डराने-धमकाने वाला आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। पुलिस ने धारदार हथियार लेकर राहगीरों को डराने-धमकाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि वार्ड क्रमांक 29 बाजार मोहल्ला में एक व्यक्ति धारदार हथियार लेकर सार्वजनिक स्थान पर घूम रहा है और राहगीरों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहा है। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए आरोपी नेहरु उर्फ गोलू निवासी वार्ड 29 बाजार मोहल्ला को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से धारदार हथियार (चाकू) बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध चौकी पाथाखेड़ा में धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

वीवीएम में मनाई स्वामी विवेकानंद की जयंती

बैतूल। विवेकानंद विज्ञान महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णा खासदेव, यूनिक शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ विजय साबले, उपाध्यक्ष संजय बालापुरे, कमलेश गढेकर, निर्गुण देशमुख ने विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके आदर्शों पर चलने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ प्रो. एस गायकवाड़, एस. लहरपुरे, एच. माकोड़े, ए सोनी, ए पवार, प्रो. निर्मले, एच लोखंडे, डॉ. एन उपाध्याय, एम कनाठे, पी. परिहार, प्रो. मोटवानी, सीएल देशमुख, मुकेश चौरे, धर्मेंद्र देशमुख एवं अन्य स्टॉफ और विद्यार्थी मौजूद थे।

मुलताई में तीन दिवसीय ताप्ती महोत्सव की आज से होगी शुरुआत, सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

बैतूल। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन बैतूल एवं नगर पालिका परिषद मुलताई के सहयोग से मुलताई में आज 14 जनवरी से तीन दिवसीय 'ताप्ती महोत्सव' प्रारंभ होगा, जो आगामी 16 जनवरी, 2025 तक आयोजित होगा। कार्यक्रम का आयोजन हाई स्कूल मैदान मुलताई में प्रतिदिन सायं 6:30 बजे से प्रारंभ होगा। इस कार्यक्रम में लोक गायन-वादन, लोकनृत्य, कवि सम्मेलन एवं सुगम संगीत की प्रस्तुतियां प्रदेश व देश के सुप्रसिद्ध कलाकार देंगे। ताप्ती महोत्सव की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने अधिकारियों को मेले में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के दिए निर्देश है।

संचालक, संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि इस प्रतिष्ठित तीन दिवसीय ताप्ती महोत्सव के पहले दिन 14 जनवरी को श्री नदीम राईन एवं साथी, सागर द्वारा बधाई लोक नृत्य, तत्पश्चात् सुश्री परिणीता रिसबुड एवं साथी, ठाणे द्वारा लावणी लोक नृत्य एवं अंतिम प्रस्तुति सुप्रसिद्ध गायक श्री पवनदीप राजन एवं ग्रुप, मुम्?बई द्वारा सुगम संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी।

बुन्देली लोकगायन, कानड़ा लोक नृत्य की होगी प्रस्तुति- महोत्सव के दूसरे दिन 15 जनवरी को पहली प्रस्तुति सुश्री कमला लोधी एवं साथी, छतरपुर द्वारा बुन्देली लोकगायन, तत्पश्चात् कानड़ा लोक नृत्य की प्रस्तुति श्री विष्णु केवट एवं साथी, सिरोंज द्वारा दी जाएगी। अंत में कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें श्री शशिकांत यादव - देवास, श्री दिनेश बाबरा - मुंबई, सुश्री मनु वैशाली - दिल्ली, सुश्री प्रीति पांडेय - प्रयागराज, दिनेश दिग्गज - उज्जैन, सुमित मिश्रा - ओरछा पुष्पक देशमुख - मुलताई अपनी कविताएं पढ़ेंगे। महोत्सव के अंतिम दिन 16 जनवरी को पहली प्रस्तुति सुश्री साक्षी शर्मा एवं साथी, दिल्ली द्वारा नृत्य - नाटिका की होगी।

स्वामी विवेकानंद ने अपनी ऊर्जा से सोये हुए भारतीयों को जगाने का कार्य किया था : मनोज श्रीवास्तव

धारा नगरी में विवेकानंद व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने रखे विचार

राजेश शर्मा , सुबह सवेरे, धार। रविवार की शाम - 12 जनवरी की तिथि ऐतिहासिक राजा भोज की धरा के लिए सदैव स्मृतियों में अंकित रहने वाली तिथि बन गई। ऐतिहासिक नगरी में इतिहास- दर्शन और अध्यात्म की त्रिवेणी का ऐसा चित्रण और रेखांकन जिस बखूबी मध्यप्रदेश के प्रशासनिक तंत्र में अपर मुख्य सचिव से लेकर कई बड़े पदों पर आसीन रहे मध्यप्रदेश के निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने किया कि एकटक - अपलक उपस्थित श्रोता मनोज श्रीवास्तव की विद्वता के कायल हो गये। अवसर था धारा नगरी में आयोजित विवेकानन्द व्याख्यानमाला का। जिस जीवंतता के साथ उन्होंने स्वामी विवेकानंद का शाब्दिक चित्रण किया ऐसा लगा मानों स्वामी विवेकानंद धरा पर अवतरित हो गये हो । प्रशासन के शीर्ष पर कई गरिमामयी भूमिका का निर्वाह करने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रहे श्री श्रीवास्तव का इतिहास- दर्शन और अध्यात्म पर गहरा अध्ययन धारा नगरी के सुधि श्रोताओं को उनकी विद्वता के दर्शन करा गया।

विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी शाखा धार द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में 'पूर्व व पश्चिम को जोड़ने वाले स्वामी विवेकानंद' विषय पर मुख्य वक्ता थे मनोज श्रीवास्तव । उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने भारतीय दर्शन की गरिमा का परिचय सम्पूर्ण विश्व को देकर,नए अध्याय रचे है।स्वामी विवेकानंद ने अपनी ऊर्जा से सोये हुए भारतीयों को जगाने का कार्य किया था स्वामीजी के वेदांत दर्शन पर आज भी अनेक अनुसंधान हो रहे है। उन्होंने पश्चिम के अनेक लेखकों को स्वामीजी के विचारों से प्रेरित बताया। उन्होंने बताया कि वेदों ,उपनिषदों, पुराणों की वाणी को आसान रूप में जनमानस में प्रसारित करने का पुनीत कार्य स्वामीजी ने किया,जिसे आज भी पूरा विश्व प्रासंगिक पाता है।नगर में अनवरत 57 वर्षो से आयोजित होने वाली इस व्याख्यानमाला में अध्यक्षता डॉ अनिल वर्मा ने की। मंच पर नगर संचालक सरदार सिंह तंवर भी थे।कार्यक्रम में पुराने केंद्र कार्यकर्ताओं भूषण श्रॉफ तथा दीपक खलतकर का शाल श्रीफल से सम्मान भी किया गया।सम्मान की भूमिका नगर संचालक श्री तंवर ने निभाई ।

पूर्व में शिला स्मारक की कहानी फ़िल्म का प्रदर्शन भी किया गया।अतिथियों को मंचासीन चेतन राव पंवार व हर्षद वडनेरकर ने कराया।तीन ओमकार प्रार्थना ईशा ठाकुर ने गाई।अतिथियों का स्वागत सुरेश राजपुरोहित, सुधाकर वडनेरकर,नितिन वैष्णव व गौरव मुकाती ने किया। गीत पुरुषोत्तम सुपेकर व टोली ने प्रस्तुत किया।शांति मन्त्र अभिनन्दन सिंह तंवर ने प्रस्तुत किया।संचालन डॉ नवीन राठौर ने किया , आभार मोहन कडूस्कर ने माना।कार्यक्रम स्थल पर विवेकानन्द साहित्य का स्टॉल भी लगाया गया था। बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित थे।

कृष्ण रुक्मणी विवाह सच्चे प्रेम का आदर्श उदाहरण

सांवरिया सेठ मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत का छठवां दिन

धार। त्रिमूर्ति नगर स्थित सांवरिया सेठ मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा की छठवे दिवस व्यास पीठ पर विराजित पंडित कुलदीप शर्मा ने बहुत ही अच्छे से श्रीमद् भागवत कथा में श्री कृष्ण और रुक्मणी के विवाह का प्रसंग बताते हुए श्री कृष्ण रूखमणी के आदर्श प्रेम के बारे में बताया कि यह कथा भागवत पुराण के दसवें स्कंध में वर्णित है। इसके पूर्व कथा में कंस वध की कथा सुनाते हुवे श्रीमद् भागवत कथा अनुसार बताया कि, रुक्मणी विदर्भ देश के राजा भीष्मक की पुत्री थी। वह अत्यंत सुंदर और गुणवान थी। उसके पिता ने उसका विवाह अपने मित्र शिशुपाल के साथ तय किया था।

लेकिन रुक्मणी को श्री कृष्ण से प्रेम हो गया था। उसने अपने प्रेम के बारे में अपने पिता को बताया, लेकिन उन्होंने उसकी बात नहीं मानी। इस पर रुक्मणी ने श्री कृष्ण को एक पत्र लिखा, जिसमें उसने अपने प्रेम के बारे में बताया और उनसे विवाह करने के लिए कहा। पत्र को एक ब्राह्मण के माध्यम से श्री कृष्ण तक पहुंचाया गया।श्री कृष्ण ने पत्र पढ़कर रुक्मणी के प्रेम को स्वीकार किया और उसके साथ विवाह करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने सारथी दारुक को बुलाया और रुक्मणी को लेने के लिए कहा।

श्री कृष्ण ने रुक्मणी को उसके महल से चुराकर अपने रथ में बैठाया और द्वारिका की ओर चल दिए। रुक्मणी के भाई रुक्मी ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन श्री कृष्ण ने उसे पराजित कर दिया। अंत में, श्री कृष्ण और रुक्मणी का विवाह द्वारिका में सम्पन्न हुआ। यह विवाह बहुत ही धूमधाम से मनाया गया था।

आज कथा में श्री कृष्ण के रूप में यश शुक्ला एवं रुक्मणी के रूप में श्रीमती अंजलि शुक्ला बने थे उनकी यजमान सुरेश जोशी,ज्योति जोशी, कैलाश अग्निहोत्री,सुशीला अग्निहोत्री,सुधा जोशी करिश्मा ,द्वारा भगवान श्री कृष्ण जी की आरती की गई। कथा में श्री सांवरिया सेठ मंदिर के अध्यक्ष स्वयंप्रकाश सोनी, सरोज सोनी,दिनेश जोशी ,राजेश शुक्ला ,दशरथ सिग्गा,संतोष पाण्डेय विशेष रूप से उपस्थित थे,इनके अतिरिक्त पत्रकार बंधु, एवं त्रिमूर्ति नगर ,मगजपुरा सेअधिक संख्या में माता बहने उपस्थित रही । जानकारी 18 पुराण समिति प्रमुख अशोक मनोहर जोशी ने देते हुए बताया कि आज की कथा के प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि सच्चे प्रेम की जीत हमेशा होती है। श्री कृष्ण और रुक्मणी का प्रेम एक आदर्श उदाहरण है जो हमें सच्चे प्रेम की महत्ता को समझने में मदद करता है।

बैतूल के प्रतिभागियों ने संभागीय मंच पर लहराया परचम

बैतूल। नर्मदापुरम संभाग में आयोजित संभाग स्तरीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में बैतूल जिले के प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जिले का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में सीएफसी के होनहार और काबिल ट्रेनर कोच वतन मिश्रा ने जिले की टीम का नेतृत्व किया और जिले के आठ प्रतिभागियों को इस मंच तक पहुंचाया। बैतूल के रूपेंद्र बंजारे ने मेंस फिजिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल टाइटल जीतने में कामयाबी हासिल की। प्रतियोगिता में अंशुल साहू ने 75 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। वहीं, इसी वर्ग में देवेंद्र सोलंकी ने तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक अपने नाम किया। इन दोनों खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और कौशल से जिले का मान बढ़ाया। सीएफसी के कोच वतन मिश्रा ने बैतूल की टीम को संभागीय मंच पर पहुंचाने और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। रूपेंद्र बंजारे, अंशुल साहू और देवेंद्र सोलंकी की इस उपलब्धि पर टीम वतन को जिले भर से बधाई संदेश मिल रहे हैं। सीएफसी के संचालक उमाकांत मालवी और विशाल बेशरे ने भी खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रदर्शन से बैतूल जिले का गौरव बॉडीबिल्डिंग के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रहा है।

टेल क्षेत्र तक किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिले : संभागायुक्त श्री तिवारी

संभागायुक्त ने शाहपुर के ग्रामों का भ्रमण कर टेल क्षेत्र में फसलों की स्थिति और सिंचाई व्यवस्था का लिया जायजा

बैतूल। संभागायुक्त नर्मदापुरम के.जी. तिवारी ने सोमवार को बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के साथ बैतूल जिले के ब्लॉक शाहपुर में जल संसाधन विभाग की नहरों के टेल क्षेत्र का भ्रमण कर यहां फसलों की स्थिति एवं सिंचाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने यहां किसानों से आत्मीय चर्चा कर फसलों की स्थिति और सिंचाई व्यवस्था की जानकारी ली। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभ के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

सबसे पहले संभागायुक्त श्री तिवारी शाहपुर के ग्राम सालीमेटा पहुंचे। उन्होंने यहां ग्राम के स्कूली बच्चों से आत्मीय चर्चा कर उनका नाम जाना और मध्यान्ह भोजन के संबंध में जानकारी ली जिस पर बच्चों ने संभागायुक्त श्री तिवारी को अपने नाम बताएं और मध्यान्ह भोजन मिलने के संबंध में जानकारी दी। इसके बाद संभागायुक्त श्री तिवारी ग्राम में ही जलसंसाधन विभाग की नेहर के टेल क्षेत्र पर पहुंचे और यहां किसानों से संवाद किया। उन्होंने यहां पर किसान शिवपाल सरियम, रामविलास परते, अखिलेश सरियाम से फसलों की स्थिति, सिंचाई व्यवस्था और इस बार अनुमानित उत्पादन के संबंध में जानकारी ली। जिस पर किसानों ने संभागायुक्त श्री तिवारी को बताया कि फसलों की स्थिति अच्छी हैं।

उन्होंने बिजली की लागत दर के संबंध में भी जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान मौके पर टेल एरिया तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचना पाया गया।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने किसानों से चर्चा कर छोटे किसानों द्वारा वर्ष में एक ही फसल लिए जाने पर ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यानिकी फसलों की संभावनाएं तलाशने तथा किसानों को उद्यानिकी फसल के लिए प्रेरित करने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए। संभागायुक्त श्री तिवारी ने किसानों से आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और ग्राम में आंगनबाड़ी और स्कूलों के संचालन के संबंध में भी जानकारी ली। जिस पर किसानों द्वारा आयुष्मान योजना और केसीसी का लाभ मिलने की संबंध में जानकारी दी गई और बताया कि ग्राम में आंगनबाड़ी और स्कूल का भी व्यवस्थित संचालन होता है।

इसके बाद संभागायुक्त श्री तिवारी ग्राम पावरझंडा पहुंचे और यहां टेल क्षेत्र के किसान हरेसिंह और रामसिंह से चर्चा की। मौके पर टेल क्षेत्र तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाना पाया गया। साथ ही फसलों की स्थिति अच्छी होने के संबंध में किसानों द्वारा जानकारी दी गई। किसानों से आयुष्मान योजना और संबल कार्ड के लाभ के संबंध में पूछे जाने पर उन्हें बताया कि योजना के तहत उनका पंजीकरण किया गया है लेकिन अभी तक कार्ड प्राप्त नहीं हुए हैं। साथ ही किसान रामसिंह द्वारा उनकी बेटी को निशुल्क साइकिल वितरण का लाभ दिए जाने के संबंध में आग्रह किया। जिस पर संभागायुक्त श्री तिवारी और कलेक्टर श्री सूर्यवंशी द्वारा लाभ दिलाने के संबंध में आश्वस्त किया गया। संभागायुक्त श्री तिवारी ने ग्राम निशाना पहुंचकर यहां टेल क्षेत्र में सिंचाई की स्थिति का निरीक्षण किया और किसान संतराम वटके के शिवनारायण और भूरा सिंह से चर्चा की।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि टेल क्षेत्र तक किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिले इसका विशेष ध्यान रखें। सिंचाई संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर उनका तत्परता के साथ निराकरण किया जाए। नेहरो की मरम्मत, साफ सफाई के संबंध में भी सूचना प्राप्त होने पर शीघ्र कार्यवाही की जाए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त नर्मदापुरम श्रीजी जायसवाल, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग विपिन वामनकर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

9/11 को लादेन नहीं, स्वामी विवेकानंद के नाम से जानना चाहिए : श्रीवास्तव

भोपाल। विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी, मध्यप्रांत, भोपाल द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती पर कई महाविद्यालयों में स्वामी विवेकानंद के विचारों को लेकर कार्यक्रम किए गए । राज्य विधि महाविद्यालय, सरोजिनी नायडू कन्या महाविद्यालय, मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय आदि में कार्यक्रम किए गए । वहीं मौलाना आजाद राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान के छात्रों ने योग किया । विवेकानंद केंद्र पर भी कार्यक्रम किए गए । भारत माता पूजन भी केंद्र कार्यालय पर किया गया । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विभाग अमृत परिवार प्रमुख अमिताभ श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ऐसे व्यक्तित्व थे, जिनसे नेताजी सुभाषचंद्र बोस से लेकर कई बड़े-बड़े क्रांतिकारी भी उनसे प्रेरित रहे। आज के समय लोग 9/11 को लादेन के नाम से जानते हैं, लेकिन असल में हमें अपनी युवा पीढ़ी को, 9/11 को शिकागो की धर्म संसद में दिए गए स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण के बारे में बताना । सभी युवा उनसे प्रेरित होकर अपना अच्छा भविष्य बनाएँ और राष्ट्र-निर्माण के कार्य में अपनी महती भूमिका निभाएँ ।

भाकपा का ज्ञापन

भोपाल। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने पुलिस थानों और सरकारी कार्यालयों में धार्मिक स्थलों के निर्माण पर रोक लगाने की मांग को लेकर भोपाल के संभाग आयुक्त को आज उनके कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। भाकपा म प्र के राज्य सह सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली और राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड प्रह्लाद दास बैरागी ने भोपाल के संभाग आयुक्त संजीव सिंह को ज्ञापन देकर सरकारी कार्यालयों और पुलिस थानों में धार्मिक स्थलों के निर्माण पर रोक लगाने और वर्ष 2003 के बाद पुलिस थानों और सरकारी कार्यालयों में निर्मित धार्मिक स्थलों को हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। संजीव सिंह ने इस संबंध में कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

शिवना प्रकाशन के सम्मानों की घोषणा

सीहोर। शिवना प्रकाशन द्वारा दिए जाने वाले वर्ष 2024 के सम्मानों की घोषणा कर दी गयी है। शिवना सम्मान चयन समिति के संयोजक, पत्रकार तथा लेखक आकाश माथुर ने बताया कि शिवना प्रकाशन द्वारा दो सम्मान प्रदान किये जाते हैं- एक %अंतर्राष्ट्रीय शिवना सम्मान% व दूसरा %शिवना कृति सम्मान%। इन सम्मानों की घोषणा कथाकार, उपन्यासकार पंकज सुबीर ने ऑनलाइन की। %अंतर्राष्ट्रीय शिवना सम्मान% राजपाल एंड संस प्रकाशन से प्रकाशित उपन्यास %क़िस्साग्राम% के लिए प्रभात रंजन तथा सेतु प्रकाशन से प्रकाशित कहानी संग्रह %वांग छी% के लिए मनीष वैद्य को संयुक्त रूप से प्रदान किया जायेगा। 'शिवना कृति सम्मान' अकादमिक पुस्तक 'दण्ड से न्याय तक' के लिए लेखक प्रवीण कक्कड़ को प्रदान किया जायेगा। निर्णायक मंडल में अमेरिका निवासी वरिष्ठ लेखक सुधा ओम ढींगरा तथा राष्ट्रपति स्वर्ण कमल सम्मान से सम्मानित लेखक यतीन्द्र मिश्र शामिल थे। आकाश माथुर ने बताया कि शीघ्र ही एक गरिमामय सम्मान समारोह में इन सम्मानित रचनाकारों तथा पूर्व में घोषित नवलेखन पुरस्कार के लेखकों रश्मि कुलश्रेष्ठ तथा शुभ्रा ओझा को सम्मान राशि, शॉल, तथा स्मृति चिह्न प्रदान कर यह सम्मान दिया जाएगा।

एम्स भोपाल के कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने हाइब्रिड कार्डिक ऑपरेशन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, कार्डियोथोरैसिक और वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग ने एक गंभीर सड़क दुर्घटना में चोटिल 30 वर्षीय पुरुष रोगी पर एक जटिल जीवन रक्षक एंडोवैस्कुलर एओर्टिक रिपेयर किया। सर्जरी कैथ लैब को हाइब्रिड ऑपरेटिंग रूम के रूप में उपयोग करते हुए की गई, जहाँ हृदय शल्य चिकित्सकों और हृदय रोग विशेषज्ञों ने मिलकर कार्य किया, जिससे रोगी को उन्नत देखभाल प्राप्त हुई। मरीज का शुरुआती इलाज किसी निजी अस्पताल में किया गया और फिर आगे के उपचार के लिए एम्स भोपाल रेफर किया गया। एम्स भोपाल में मरीज की जांच सीटीवीएस टीम द्वारा की गई और आगे के इलाज के लिए भर्ती किया गया। मरीज में एओर्टिक आर्क(महाधमनी) के ट्रॉमेटिक स्यूडोएन्यूरिज्म(महाधमनी दोष) का पहचान किया गया, जो एक जानलेवा स्थिति है और जिसमें तत्काल ओपन हार्ट सर्जरी की आवश्यकता होती है। मरीज को सीटीवीएस आईसीयू में शिफ्ट किया गया और हाइब्रिड कैथ लैब में एंडोवैस्कुलर एओर्टिक रिपेयर से पहले व्यापक प्री-ऑपरेटिव मूल्यांकन किया गया। हृदय शल्य चिकित्सक और हृदयरोग विशेषज्ञों की टीम हाइब्रिड ऑपरेशन कक्ष की संकल्पना के अंतर्गत कार्यरत थी, और किसी भी जटिलता की स्थिति में ओपन हार्ट सर्जरी के लिए पूर्णतः तैयार थी।

भोपाल गैस कांड का सच बताती किताब का विमोचन

न्याय पाने की संघर्ष गाथा है कठघरे में सांसें

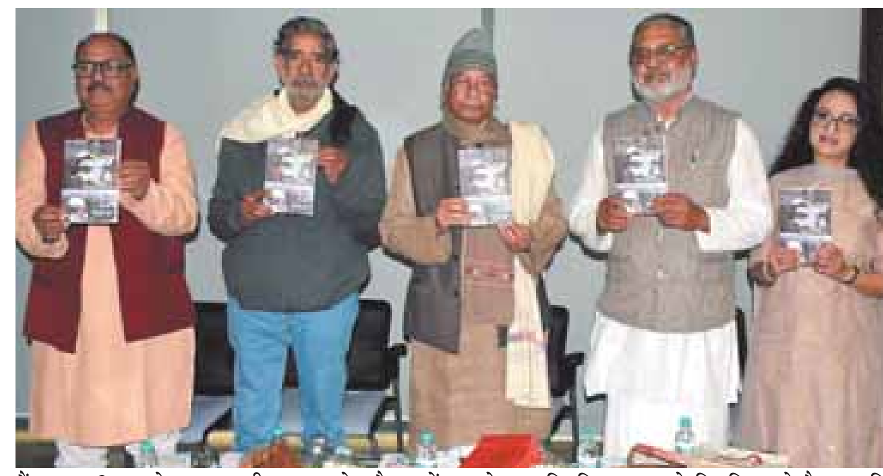

भोपाल। प्रख?यात वकील विभूति झा की किताब 'कठघरे में साँसें ~ भोपाल गैस त्रासदी के चार दशक' का विमाचन प्रख?यात कवि-आलोचक विजय बहादुर सिंह और वरिष्?ठ कवि राजेश जोशी ने किया। इस अवसर पर पुस्?तक के संपादक वरिष्?ठ पत्रकार राजेश बादल और वन्?या झा तथा प्रकाशक पंकज श्रीवास्?तव भी मौजूद थे। पुस्?तक पर बोलते हुए वक्?ताओं ने कहा कि लेखक विभूति झा गैस-त्रासदी को आंखों देखा है और उसके कष्?ट को खुद भोगा है। यह ऐसे व्?यक्ति का बयान है जिसने लंबा अर्सा गैस पीड़ितों के बीच बिताया, उनके लिए संघर्ष और आंदोलन किया और वकील होने के नाते निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक सीमित संसाधनों के दम पर लड़ाई लड़ी।किताब का विमोचन करते हुए प्रख?यात आलोचक विजय बहादुर सिंह ने कहा कि समाज का विज्ञान, बाजार और राज्?य के साथ एक नाता विकसित करना चाहिए। इस नाते के अभाव में भोपाल गैस त्रासदी जैसी घटनाएं सामने आती हैं। इस पुस्?तक को पढ़ कर यही अनुभव होता है। इसमें लेखक ने गैस कांड के सभी पहलुओं को निष्?पक्षता और बेबाकी के साथ प्रस्?तुत किया। कवि राजेश जोशी ने कहा कि जिस दृढ़ता से विभूति झा ने गैस प्रभावितों के केस कोर्ट में लड़ा उतनी ही स्?पष्?टवादिता और तथ्?यपरकता उनकी इस पुस्?तक में भी है। इस इस किताब में ऐस अनेक तथ्?य हैं जिनसे हम अब अनजान हैं। किताब में जहरीली गैस कांड संघर्ष मोर्चा के गठन और उसके संघर्ष, जन आंदोलन, आस्था में अनास्था - पलायन की पीड़ा, पीढ़ी दर पीढ़ी संक्रमण मेडिकल रिसर्च और अनुसंधान के हश्र, नेपथ्य की घटनाओं, कार्बाइड के हथकंडों, अदालत में खुली सुनवाई और मुआवजा प्रकरण के अंतत~ पटाक्षेप और न्?यायालयीन प्रक्रियाओं का चित्रण है।

पुस्?तक के संपादक वरिष्?ठ पत्रकार राजेश बादल ने कहा कि यह पुस्?तक प्रामाणिक वृतांत है। एक वकील होने के नाते लेखक में पुस्?तक में कही भी प्रामाणिकता को नहीं छोड़ा है। इस लिहाज से यह पुस्?तक एक संदर्भ ग्रंथ है। आरंभ में लेखक विभूति झा ने पुस्?तक की रचना प्रक्रिया तथा अपने अनुभव पर चर्चा की तथा गैस प्रभावितों को न्?याय दिलाने के संघर्ष के अपने साथियों को याद किया। आभार प्रदर्शन किताब की संपादक वन्?या झा ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन पुस्?तक के प्रकाशक प्रवासी प्रेम पब्लिशिंग के प्रमुख पंकज श्रीवास्?तव ने किया।

किसानों के हित में कृषि क्षेत्र की साप्ताहिक समीक्षा हर सोमवार करेंगे: शिवराज सिंह चौहान

13 लाख 68 हजार 660 मीट्रिक टन से ज्यादा सोयाबीन की रिकॉर्ड खरीदी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कृषि एवं किसान मंत्रालय की समीक्षा बैठक में कहा कि कृषि एवं किसान देश और देश की जनता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हर सप्ताह खेती-किसानी की स्थितियों में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है, इसलिए हमने फैसला किया है कि कृषि की स्थिति की साप्ताहिक समीक्षा हर सोमवार करेंगे। अपवादस्वरूप अगर कोई ऐसा कारण आ गया कि सोमवार को समीक्षा नहीं हो सकती है तो एक-दो दिन आगे पीछे करेंगे, लेकिन साप्ताहिक समीक्षा होगी। श्री चौहान ने कहा कि किसानों का तकलीफें दूर करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हर अधिकारी-कर्मचारी को इस पर संवेदनशील होना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि साप्ताहिक समीक्षा में फसलों की स्थिति, कहीं फसलों में कोई रोग तो नहीं लगा, अगर कोई रोग लगा है तो उसकी रोकथाम के तत्काल उपाय क्या हो सकते हैं, इसके लिए राज्य सरकारों को एडवाइजरी जारी करने के साथ-साथ कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को अवेयर करना, फिर संबंधित बीमारी की रोकथाम के लिए टीम भेजने की जरूरत होगी तो टीम भी भेजेंगे। साथ ही दवाइयां उपलब्ध है कि नहीं, और केवल पेस्टिसाइड ही नहीं, बल्कि उसकी कीमत भी नियंत्रित रहे, क्योंकि कई बार किसानों ने शिकायतें की है कि पेस्टिसाइड पर एमआरपी नहीं होती है। ऐसी स्थिति ना बनें, किसानों को निर्धारित दाम पर कीटनाशक व फसलों के रोगों की रोकथाम की दवाइयां मिल जाएं, इस संबंध में राज्य सरकारों से आग्रह करेंगे कि नियमों का पालन किया जाएं और किसानों को उचित दाम पर कीटनाशक मिले।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि इसके साथ-साथ मौसम की स्थिति और उसका फसलों पर पड़ने वाला प्रभाव, इसकी भी समीक्षा की जाएगी। अगर फसल आ रही है तो फसल की स्थिति कैसी है, कितना उत्पादन होगा उसकी जानकारी, बाजार में हमारे पास कितना संभावित उत्पादन आने वाला है, उसके ठीक दाम किसान को मिल जाएं, उसके उपाय करने होंगे तो वो भी किए जाएंगे, और इसके आधार पर कहीं मौसम की प्रतिकूलता के कारण फसलें खराब हुई तो क्षति और उसका आकलन, फसल बीमा योजना का लाभ। अब ये ऐसे विषय नहीं है कि, जिसके लिए इंतजार करें कि एक महीने बाद बैठक करेंगे और इसलिए हर चीज़ पर नज़र रखने के लिए हर सप्ताह समीक्षा करेंगे। हरेक विभाग के साथ बैठक करेंगे और जो जरूरी होगा किसान के कल्याण, फसलों बेहतरी व कृषि उत्पादन के लिए, वो सभी कदम उठाए जाएंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, किसानों के कल्याण के लिए निरंतर काम कर रहा है। बताते प्रसन्नता है कि, सोयाबीन की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर जारी है और अब तक हम रिकॉर्ड 13 लाख 68 हजार 660 मीट्रिक टन से ज्यादा सोयाबीन खरीद चुके हैं। श्री चौहान ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार की तरफ से ये मांग आई थी कि सोयाबीन खरीदी की समय सीमा 31 जनवरी तक बढ़ाई जाएं, इसलिए महाराष्ट्र सरकार के लिए हम सोयाबीन खरीदी की समय सीमा 31 जनवरी तक बढ़ा रहे हैं। राजस्थान की सरकार ने भी सोयाबीन की खरीदी की समय सीमा 4 फरवरी तक बढ़ाने की मांग की है, इसलिए राजस्थान में भी 4 फरवरी तक सोयाबीन की खरीदी जारी रहेगी। तेलंगाना राज्य ने अतिरिक्त खरीदी की मांग की थी, तो उसे भी बढ़ाया गया है। कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने मंत्रालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भूमि संसाधन विभाग की ओर से 56 नई वाटर शेड विकास की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसमें 700 करोड़ रूपए से ज्यादा की राशि खर्च होगी और अंतत~ मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए और जल के संरक्षण के लिए और भूजल का स्तर बढ़ाने के लिए ये वाटर शेड का उपयोग होगा, आज ये फैसले किए गए हैं।

इटारसी रेलवे स्टेशन पर 'आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा कक्ष' का उद्घाटन

इटारसी। आज इटारसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर भोपाल मंडल के द्वितीय 'आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा कक्ष' का उद्घाटन श्रीमती बेबी बाई धीरज (स्वास्थ्य सहायक,इटारसी) द्वारा किया गया। यह सुविधा भोपाल रेल मंडल और दयाल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल, इटारसी के संयुक्त प्रयासों से शुरू की गई है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इस आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा कक्ष का उद्देश्य यात्रियों को आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान करना है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित और प्रभावी सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

इस चिकित्सा कक्ष में यात्रियों को 24×7 चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इनमें प्राथमिक चिकित्सा सामग्री, ऑक्सीजन सिलेंडर, और एम्बुलेंस सेवा शामिल हैं, जो आपातकालीन स्थिति में त्वरित सहायता सुनिश्चित करेंगी। इसके अतिरिक्त, नेब्यूलाइजेशन, पल्स ऑक्सीमीटर, और ईसीजी मशीन जैसी उन्नत चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। यात्रियों की नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए बीपी और शुगर चेकअप की सुविधा भी दी गई है। व्हीलचेयर और स्ट्रेचर का प्रबंध किया गया है, जिससे जरूरतमंद यात्रियों को सहायता दी जा सके। इस चिकित्सा कक्ष में प्रशिक्षित डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ हमेशा उपलब्ध रहेंगे।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (रेलवे अस्पताल) डॉ. अजय डोगरा ने कहा कि रेल यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य रेलवे की प्राथमिकता है। इस आपातकालीन कक्ष के माध्यम से यात्री अब रेलवे स्टेशन पर ही त्वरित चिकित्सा सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक भोपाल- डॉ. अजय डोगरा, चिकित्सा अधीक्षक इटारसी-डॉ. मोहम्मद फैजान, स्टेशन मैनेजर इटारसी- श्री शिवेंदु राय, दयाल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के संचालक डॉ. ए. दयाल सहित रेलवे स्टेशन इटारसी का स्टाफ और दयाल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल का मेडिकल स्टाफ उपस्थित था।

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह सुविधा सुनिश्चित की गई है। इटारसी स्टेशन पर इस प्रकार की सुविधा यात्रियों की यात्रा को और भी सुरक्षित और आरामदायक बनाएगी।

भगवान के रूप में बिरसा मुंडा जी के स्वरूप को जन-जन तक पहुंचाने का काम मोदी जी ने किया- विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा एवं संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में भगवान बिरसा मुंडा जी की 150 वीं जयंती के अवसर पर वर्ष भर होने वाले कार्यक्रमों के लिए अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित किया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा द्वारा किए गए कामों के कारण देश ने उन्हें भगवान का दर्जा दिया, लेकिन उनके इस स्वरूप को जन-जन तक पहुंचाने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने किया है। वहीं, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने कहा कि जनजातीय समाज को रोटी, कपड़ा और मकान उपलबध कराने के प्रयास लंबे समय से होते रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकार उनमें स्वाभिमान जगाने का काम कर रही है।

बेजुबान नहीं, भारत को एकसूत्र में बांधने वाला है जनजातीय समाज- बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने सिर्फ जनजातीय क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत में क्रांति का इतिहास लिखा। उनके संघर्षों और बलिदानों के बल पर समाज ने उन्हें भगवान की मान्यता दी। राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह ने तोप के मुंह से बांधकर उड़ा देने का विकल्प चुना, लेकिन अंग्रेजों के सामने सिर नहीं झुकाया। जिस जनजातीय समाज में ऐसे-ऐसे क्रांतिवीर और योद्धा हुए हैं, उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी 'बेजुबान' कहते हैं। हमारा जनजातीय समाज बेजुबान नहीं है, बल्कि देश की सबसे बड़ी ताकत है। इनके प्रयासों से ही आज देश एक सूत्र में बंधा है। भगवान बिरसा मुंडा जी की 150 वीं जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से हमें देश और समाज में जनजातीय क्रांतिवीरों के योगदान तथा जनजातीय समाज के प्रति कांग्रेस की सोच को जन-जन तक पहुंचाना है।

देश के माथे पर लगा हर कलंक मिटा रहे मोदी जी- प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भारत माता के माथे पर लगे हर कलंक को मिटा रहे हैं। झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा का स्मारक जिस दुरावस्था में था। मोदी जी की सरकार ने स्मारक को भव्यता प्रदान की है। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जनजातीय समाज को सम्मान दिया। संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब अंबेडकर को अपमानित करने काम कांग्रेस और उसकी सरकारों ने किया, लेकिन मोदी जी की सरकार उन्हें वह सम्मान दे रही है, जिसके वो हकदार थे। धारा 370 जो कहती थी कि सफाईकर्मी का बेटा योग्य होने के बावजूद सफाईकर्मी ही रहेगा, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने हटा दिया है। हमारी संसद अंग्रेजों के बनाए भवन में लगती थी।

एम्स भोपाल ने स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन (एचटीए) पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, रिसोर्स सेंटर फॉर हेल्थ टेक्नोलॉजी असेसमेंट (एचटीए) ने एक जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य साक्ष्य-आधारित नीति निर्धारण में एचटीए के महत्व और स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने में इसकी भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यशाला में 40- 50 प्रतिष्ठित भागीदारों ने भाग लिया, जिनमें स्वास्थ्य विशेषज्ञ, नीति निर्माता और सरकारी एजेंसियों, शिक्षाविदों और विकास भागीदारों जैसे न्यूट्रीशन इंटरनेशनल, एविडेंस एक्शन, यूनिसेफ और एनआईपीआई के प्रतिनिधि शामिल थे। एम्स भोपाल की ओर से प्रो. (डॉ.) बर्था ए. डी. रथिनम ने संस्थान की प्रतिबद्धता को दोहराया, जिसमें साक्ष्य-आधारित नीति निर्धारण में पारदर्शिता बनाए रखने और फार्मास्युटिकल कंपनियों व कॉर्पोरेट प्रभाव से मुक्त रहने की बात कही। एम्स भोपाल के डीन (रिसर्च) प्रो. (डॉ.) रेहान-उल-हक ने कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए इसके उद्देश्यों को प्रस्तुत किया और सत्रों की रूपरेखा तय की। मुख्य वक्तव्य डॉ. बीना जोशी, साइंटिस्ट-जी, आईसीएमआर-एनआईआरआरसीएच, मुंबई द्वारा दिया गया, जिन्होंने भारत में एचटीए और इसकी उपयोगिता पर गहन जानकारी साझा की। डॉ. सलोनी सिदाना (आईएएस), मिशन निदेशक, एनएचएम मध्य प्रदेश ने राज्य की विशिष्ट स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने और स्वास्थ्य संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग में एचटीए की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. योगेश गुरव, साइंटिस्ट-एफ, एनआईवी पुणे ने ऑनलाइन सत्र के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य में निरंतर साक्ष्य सृजन की आवश्यकता पर बल दिया।

'राहुल-खरगे के नीचे लगी बापू-अंबेडकर की फोटो'

पटवारी के घर की तस्वीर पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने पूछा- क्या बापू-अंबेडकर से ऊपर हैं राहुल गांधी

भोपाल (नप्र)। शनिवार को भोपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष (पीसीसी) जीतू पटवारी के आवास पर कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी भंवर जितेन्द्र सिंह, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान कांग्रेस नेताओं के पीछे दीवार पर लगी तस्वीर पर बीजेपी ने कांग्रेस नेतृत्व से जवाब मांगा है।

पटवारी के बंगले में लगी तस्वीर में महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर के ऊपर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की फोटो लगी दिख रही है। इस फोटो को बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा और बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने ट्वीट कर कांग्रेस नेतृत्व से जवाब मांगा।

वीडी ने पूछा- क्या बापू-अंबेडकर से ऊपर हैं राहुल गांधी- बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- मैंने तो यह बहुत पहले कहा था। जीतू पटवारी को जवाब देना चाहिए कि क्या राहुल गांधी, बाबा साहेब अंबेडकर और गांधीजी से ऊपर हैं। यही कांग्रेस का मूल चरित्र है। कांग्रेस के मन के भाव ही यही हैं, जो वहां चित्र में दिखाई देते हैं।

वीडी शर्मा ने कहा- कांग्रेस ने बाबा साहब का अपमान एक बार नहीं, बार-बार किया है। कांग्रेस ने गांधी के नाम का दुरुपयोग किया, लेकिन गांधी के विचारों पर कभी नहीं चली। मैं गर्व के साथ कहता हूं। गांधी जी और बाबा साहब के विचारों से लेकर उनके सम्मान तक जमीन पर उतारने का काम भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। कांग्रेस के नेतृत्व से ये जवाब लेना चाहिए।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने जीतू पटवारी की प्रेस कॉन्फ्रेंस की तस्वीर को पोस्ट करते हुए लिखा- अंबेडकर जी का अपमान, कांग्रेस की पहचान।

बीजेपी ने पटवारी को घेरा- बीजेपी प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने ट्वीट कर लिखा- कांग्रेस की नजर में बाबा साहब का सम्मान देखिये। पहले इंदौर में कांग्रेस की बाबा साहेब के सम्मान के नाम पर रैली निकलती है तो खुद मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी उस रैली में बाबा साहब की तस्वीर को घुटने पर रखकर उनका अपमान करते है।

फिर कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक होती है और कहा जाता है कि इसमें बाबा साहेब पर बात होगी, लेकिन बात होती है मुस्लिम तुष्टिकरण पर और अब जीतू पटवारी के निवास पर एक पत्रकार वार्ता का आयोजन होता है। उसमे कांग्रेस के प्रभारी से लेकर तमाम कांग्रेस के बड़े नेता मौजूद रहते हैं।

भाई की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या की

प्रयागराज में अंतिम संस्कार कर सबूत मिटाने की साजिश रची; आरोपी बोला- मुफ्त की रोटियां तोड़ता था

रीवा (नप्र)। रीवा में एक युवक ने बड़े भाई की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। पिता को साथ लेकर सबूत मिटाने और लाश को ठिकाने लगाने की साजिश रची। शव को अंतिम संस्कार के लिए प्रयागराज ले जाने एंबुलेंस भी बुक कर दी। इसी बीच पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दे दी।

पहले तो पिता-पुत्र पुलिस को गुमराह करते रहे लेकिन सख्ती करने पर टूट गए। बड़े भाई की हत्या करने वाले युवक ने कहा, मैं मेहनत से घर में पैसे कमाकर लाता था और वो मुफ्त की रोटियां तोड़ता था। अब मैंने उसे जिंदगी से जमानत दे दी। अपने ही हाथों से अपने भाई का कत्ल कर दिया। हम तीन बार उसकी जमानत कराकर थक चुके थे, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया।

उसने मेरी जेब से पैसे चुरा लिए। आए दिन रुपयों के लिए घर वालों को परेशान करता था। मैंने तय कर लिया था कि उसे खत्म कर दूंगा।

देर रात तक उसके इंतजार में जागता रहा। जैसे ही वह घर लौटकर आया, मैंने कुल्हाड़ी उठाई और फिर तब तक वार किए, जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। वह उम्र में मुझसे बड़ा था, लेकिन उससे पूरा घर और मोहल्ला परेशान था। शराब का आदी था। मैंने पहले भी कहा था कि अब अगर मुझसे नजरें मिलाईं तो जान से मार दूंगा।

पिता के साथ मिलकर लाश को खेत में फेंका- मामला रीवा के वार्ड क्रमांक एक स्थित निपानिया मोहल्ले का है। यहां संजय साकेत (चौधरी) ने शनिवार दोपहर अपने ही बड़े भाई सनी साकेत की

कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। बड़े भाई ने जेब से 200 रुपए चुराए थे। इसके बाद साकेत ने कुल्हाड़ी से 4 वार कर दिए। हत्या के बाद पिता अर्जुन साकेत के साथ मिलकर लाश को 100 मीटर दूर खेत में फेंक दिया।

हत्याकांड पर पर्दा डालना चाहते थे आरोपी पिता-पुत्र- भाई सनी साकेत की हत्या करने के बाद आरोपी संजय साकेत अपने पिता अर्जुन साकेत के साथ मिलकर पूरे मामले पर पर्दा डालना चाहता था। दोनों पुलिस को लगातार गुमराह करते रहे। पुलिस जब हत्याकांड के संबंध में बयान लेने पहुंची तो दोनों ने पुलिस से कहा- हमें घटना के संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

संजय ने पिता अर्जुन के सामने पूरी वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस बार-बार दोनों से हत्याकांड के संबंध में जानकारी मांगती रही लेकिन वे किसी भी तरह की जानकारी न होने का हवाला देते रहे।

उन्होंने कहा कि सनी की हत्या किसने की और उसकी लाश खेत में कैसे पहुंची, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। पुलिस असमंजस में थी कि घर से 100 मीटर की दूरी पर आखिरकार किसने इस पूरी वारदात को अंजाम दिया। सच्चाई का पता लगाना पुलिस के लिए चुनौती बन गया था।

॥ मंदिरम् ॥

11

राधे कृष्ण बिरला मंदिर कोलकाता

राधे कृष्ण बिरला मंदिर कोलकाता, बल्लीगंज में आशुतोष चौधरी एवेन्यू पर स्थित है। उद्योगपति बिरला परिवार ने इसका निर्माण करवाया था। यह विष्णु अवतार राम और कृष्ण को समर्पित है। बिरला मंदिर दुनिया भर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है, और यह भारत भर के विभिन्न शहरों में बिरला परिवार द्वारा निर्मित विभिन्न हिंदू मंदिरों को संदर्भित करता है। भारत के प्रसिद्ध उद्योगपति परिवार ने पहला बिरला मंदिर बनवाया था। कोलकाता में राधे कृष्ण बिरला मंदिर बीसवीं सदी की एक शानदार संरचना है जो सफ़ेद संगमरमर और क्रीम रंग के बलुआ पत्थर से बनी है जो राजस्थानी वास्तुकला को दर्शाती है। यह मंदिर हिंदू देवता भगवान कृष्ण और उनकी पत्नी राधा को समर्पित है। मंदिर की शैली आधुनिक और समकालीन कला का मिश्रण है, जो भुवनेश्वर के लिंगराज मंदिर के समान है। मंदिर में शिव, दुर्गा और शक्ति जैसे अन्य देवताओं का भी प्रतिनिधित्व किया गया है।

दिग्विजय बोले-ज्योतिरादित्य सिंधिया बच्चे हैं माधवराव महाराज को मैं कांग्रेस में लाया

- सिंधिया ने कहा था-दिग्विजय मेरे पिता को टारगेट करते थे

भोपाल (नप्र)। सोमवार को भोपाल में मीडिया से बातचीत में दिग्विजय सिंह ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को बच्चा कहा है। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को बच्चा कहा है। उन्होंने कहा कि उनके पिता माधवराव सिंधिया को मैं ही कांग्रेस में लाया था।

दिग्विजय सिंह ज्योतिरादित्य सिंधिया के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि दिग्विजय सिंह मेरे पिता को भी टारगेट करते थे और मुझे भी टारगेट कर रहे हैं। भोपाल में सोमवार को सिंधिया के उस बयान को लेकर मीडिया ने दिग्विजय सिंह से सवाल किया। जिस पर उन्होंने कहा-मैं और अर्जुन सिंह हम लोग ही माधवराव सिंधिया को सन् 1979-80 में कांग्रेस में लाए थे। संजय गांधी, इंदिरा जी से मिलवाया था। माधव राव महाराज के समय उनको जो भी सम्मान मिला, केन्द्र में मंत्री बने, पार्टी में महामंत्री बने। उनको पूरी इज्जत दी, वो कांग्रेस ने दी। मेरा उनसे कोई विवाद न कभी था, न कभी रहा। क्योंकि मैं खुद ही उनको कांग्रेस में लाया था। ज्योतिरादित्य सिंधिया तो बच्चे हैं। दिग्विजय सिंह ने विधानसभा के सभागृह में 'जंगल सत्याग्रह' फिल्म के प्रीमियर शो का आयोजन किया। इसके बाद उन्होंने मीडिया से चर्चा की थी।

सिंधिया ने कहा था- दिग्विजय मेरे पिता को टारगेट करते थे- ग्वालियर में बुधवार को मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था- दिग्विजय सिंह मुझे कब टारगेट नहीं करते? ये कोई नई बात है क्या? दिग्विजय सिंह की जिंदगी चली गई है, मुझे और मेरे पूज्य पिताजी को टारगेट करते-करते। मैंने कभी राजा साहब को टारगेट नहीं किया। आज भी मिलता हूं तो मैं प्रणाम ही करता हूं। जिसकी विचारधारा जो हो, वह उसी आधार पर अपनी लाइन खींचे। मेरी विचारधारा जनता की सेवा करने की है। वो मेरा टारगेट है।

सौरभ शर्मा मामले में दिग्विजय ने लिया था सिंधिया का नाम

दरअसल, दिग्विजय सिंह ने परिवहन विभाग के पूर्व आरटीओ सौरभ शर्मा के ठिकानों से मिली बेहिसाब संपत्ति के मामले में सवाल उठाए थे। उन्होंने इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। दिग्विजय सिंह ने कहा था कि 'जब प्रदेश में कमलनाथ सरकार थी तब ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरफ से गोविंद सिंह राजपूत को परिवहन और राजस्व विभाग देने का दबाव आया था। वे ऐसा क्यों चाहते थे, ये सिंधिया जी ही बता सकते हैं।'

प्रस्तावित 16वें वित्त आयोग की तैयारियों की करें समीक्षा : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

आयोग का 5 एवं 6 मार्च को प्रदेश दौरा

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने सोमवार को मंत्रालय में आगामी 5 एवं 6 मार्च को प्रस्तावित 16वें वित्त आयोग के दौरे की तैयारियों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा को वित्त विभाग के अधिकारियों ने आयोग के दौरे की तैयारी की विस्तृत जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने निर्देशित किया कि बेहतर तैयारी करें, जिससे वित्त आयोग के समक्ष अपनी बात रखकर हम ज्यादा से ज्यादा बजट प्राप्त कर सकें।

प्रस्तावित 16वें 5 सदस्यीय वित्त आयोग का दल आगामी 5 मार्च से भोपाल दौरे पर रहेगा। वित्त आयोग अभी तक 15 राज्यों को दौरा कर चुका है। प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी ने बताया कि विभाग ने पिछले एक माह में 16वें वित्त आयोग के आने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा को बताया कि वित्त विभाग के सभी अधिकारी को मिनिट-टू-मिनिट की जिम्मदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही संबंधित विभाग के उच्च अधिकारियों से समन्वय बनाकर प्रेंजेन्टेशन की तैयारी की जा रही है। इस अवसर पर सचिव वित्त श्री लोकेश कुमार जाटव, संचालक बजट सुश्री तन्वी सुन्द्रियाल सहित वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रयागराज महाकुम्भ का शुभारंभ और प्रथम अमृत स्नान सबके लिए मंगलमय हो : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पौष पूर्णिमा के पावन अवसर पर तीर्थराज प्रयागराज की पुण्य भूमि पर विश्व के सबसे विशाल समागम 'महाकुम्भ' के शुभारंभ और कुम्भ में पधारे समस्त श्रद्धालुओं को प्रथम अमृत स्नान की मंगलमय शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आस्था, भक्ति और अध्यात्म के महाकुम्भ के माध्यम से देश-विदेश से श्रद्धालुओं को भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना के दर्शन होंगे। उन्होंने कामना की है कि मां गंगा की कृपा से सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण हों।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोहड़ी पर्व की दीं बधाई और शुभकामनाएं- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषि समृद्धि, धन-धान्य और उल्लास के पावन पर्व लोहड़ी की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि हमारी परंपराओं और संस्कृति की अमूल्य विरासत का प्रतीक लोहड़ी पर्व सभी के जीवन में खुशहाली, संपन्नता आए।

ठंड से कंपकंपाया म.प्र.

- कोहरा, सर्द तेज हवाएँ, भोपाल में गिरी फुहार
- उमरिया में 8वीं क्लास तक स्कूलों में छुट्टी
- आज मकर संक्रांति पर बारिश की संभावना

भोपाल

भोपाल (नप्र)। सोमवार सुबह मध्यप्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बादल छाए रहे। भोपाल में कोहरे के साथ फुहारें गिरीं। ग्वालियर-चंबल में कोहरा रहा। उमरिया में कड़ाके की ठंड को देखते हुए कलेक्टर ने आज कक्षा पहली से 8वीं तक सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी। इंदौर में सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। जिससे विमानों की आवाजाही प्रभावित हुई। कोहरे के कारण इंदौर आने-जाने वाली 22 से ज्यादा फ्लाइट लेट हुई हैं। इंदौर से उड़ान भरने वाली 12 फ्लाइट्स 1 से 3 घंटे तक लेट हो गई, जबकि इंदौर लैंड करने वाली करीब 9 फ्लाइट्स अपने तय समय से देर से पहुंचीं। मकर संक्रांति पर मंगलवार को भी मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन संभाग में बादल और बूंदाबांदी के आसार हैं। 15 जनवरी को आधे एमपी में बादल और बूंदाबांदी का अलर्ट है।

मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी होने से मौसम का मिजाज बदला रहेगा। इससे पहले रविवार को बैतूल, दमोह, रीवा, सतना और उमरिया में बारिश हुई। दमोह में 24 घंटे में सबसे ज्यादा 7 मिमी पानी गिर गया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर समेत कई जिलों में बादल छाए रहे।

8 जिलों में बारिश, ग्वालियर-रतलाम में घना कोहरा- मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटे में मौसम ने 3 रंग दिखाए। भोपाल समेत 8 जिलों में हल्की बारिश हुई। दमोह में सबसे ज्यादा 7 मिमी बारिश हुई। जबलपुर, सतना, टीकमगढ़, बैतूल, भोपाल, रीवा, उमरिया में बूंदाबांदी हुई। ग्वालियर-इंदौर समेत 15 जिलों में सुबह कोहरा रहा। वहीं, पूरे प्रदेश में रात के तापमान में गिरावट देखने को मिली।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार-सोमवार की रात में इंदौर में 7.6 डिग्री, उज्जैन में 9 डिग्री, भोपाल में 10 डिग्री, ग्वालियर में 10.8 डिग्री और जबलपुर में 12.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। सबसे ठंडा धार रहा। यहां रात का पारा 6.4 डिग्री सेल्सियस रहा। राजगढ़ में 7 डिग्री, पचमढ़ी में 7.9 डिग्री, रतलाम में 8.5 डिग्री, गुना में 9 डिग्री, नौगांव में 9.6 डिग्री, नरसिंहपुर में 10 डिग्री, टीकमगढ़ में 10.3 डिग्री, रायसेन में 10.7 डिग्री और रीवा में 10.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

मलाजखंड में विजिबिलिटी 200 से 500 मीटर

सोमवार सुबह मलाजखंड में घना कोहरा रहा। यहां विजिबिलिटी 200 से 500 मीटर तक रही। ग्वालियर, नर्मदापुरम, रायसेन, रतलाम, खजुराहो, नौगांव, सतना और उमरिया में विजिबिलिटी 500 से एक हजार मीटर दर्ज की गई। भोपाल, उज्जैन, शिवपुरी, राजगढ़, इंदौर, गुना, टीकमगढ़ में कोहरा रहा। भोपाल में सुबह 10 बजे के बाद ही धूप निकली।

3 दिन ऐसा रहेगा मौसम- 14 जनवरी- इंदौर, उज्जैन, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच, गुना, शिवपुरी, अशोकनगर में बादल रहेंगे। कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है।

15 जनवरी- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, हरदा, देवास, सीहोर, शाजापुर, राजगढ़, रायसेन, विदिशा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना और सतना में हल्की बारिश हो सकती है।

16 जनवरी- ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी और अशोकनगर में बादल और बूंदाबांदी के आसार हैं।

भोपाल समेत 18 और जिलों में भाजपा अध्यक्ष घोषित

भोपाल नगर में रविन्द्र यती, उज्जैन ग्रामीण में राजेश धाकड़ को कमान, 9 जिलों के अध्यक्ष यथावत

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में भाजपा ने करीब 18 और जिलों के अध्यक्षों की घोषणा की है। सोमवार रात जारी नामों में भोपाल नगर में रविन्द्र यती, भोपाल ग्रामीण में तीरथ सिंह मीणा, उज्जैन ग्रामीण में राजेश धाकड़, गुना में धर्मेंद्र सिकरवार और शिवपुरी में जसमंत जाटव को जिलों की कमान दी गई है। इससे पहले रविवार रात को उज्जैन नगर और विदिशा जिलों के अध्यक्षों की घोषणा की गई थी। इस तरह भाजपा अब तक कुल 20 जिलों में जिला अध्यक्षों के नाम जारी कर चुकी है।

जिले का नाम	भाजपा जिला अध्यक्ष का नाम
भोपाल नगर	रविन्द्र यती
भोपाल ग्रामीण	तीरथ सिंह मीणा
नीमच	वंदना खंडेलवाल
देवास	राय सिंह सेंधव
अशोक नगर	आलोक तिवारी
खंडवा	राजपाल सिंह तोमर
श्योपुर	शशांक भूषण
मैहर	कमलेश सुहाने
बुरहानपुर	मनोज माने
शिवपुरी	जसमंत जाटव
पन्ना	बृजेन्द्र मिश्रा
रतलाम	प्रदीप उपाध्याय
उज्जैन ग्रामीण	राजेश धाकड़
छतरपुर	चंद्रभान सिंह गौतम
जबलपुर ग्रामीण	राजकुमार पटेल
मऊगंज	डॉ. राजेन्द्र मिश्रा
हरदा	राजेश वर्मा
गुना	धर्मेंद्र सिकरवार

इन जिलों के नेताओं पर फिर भरोसा

सोमवार रात को जारी 18 जिलों के जिला अध्यक्षों में 9 जिलों में अध्यक्ष रिपीट किए गए हैं। इन जिलों में रतलाम में प्रदीप उपाध्याय, बुरहानपुर में मनोज माने, हरदा में राजेश वर्मा, मैहर में कमलेश सुहाने, मऊगंज में राजेंद्र मिश्रा, पन्ना में बृजेंद्र मिश्रा, छतरपुर में चंद्रभान सिंह गौतम, अशोकनगर में आलोक तिवारी और गुना में धर्मेंद्र सिकरवार को फिर से जिलों की कमान दी गई है।

उज्जैन नगर और विदिशा की पहले हो चुकी घोषणा

इससे पहले रविवार रात में सीएम के गृह नगर उज्जैन और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र विदिशा जिले के लिए जिला अध्यक्षों की घोषणा की गई थी। संजय अग्रवाल को उज्जैन नगर का जिला अध्यक्ष घोषित किया गया था। वहीं विदिशा जिले की कमान महाराज सिंह दांगी को दी गई है।

मकर संक्रांति पर आज भोपाल-इंदौर में छुट्टी

सरकारी ऑफिस रहेंगे बंद, स्कूल भी नहीं खुलेंगे, आदेश जारी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में आज 14 जनवरी को लोकल हॉली-डे रहेगा। मंगलवार को मकर संक्रांति होने पर सरकारी ऑफिस बंद रहेंगे। इंदौर में भी मकर संक्रांति पर छुट्?टी रहेगी। सरकार ने मकर संक्रांति समेत 4 अवकाश घोषित किए हैं।

लोकल अवकाश होने से सरकारी ऑफिस बंद रहेंगे और कोई कामकाज नहीं होगा। भोपाल में वल्लभ भवन समेत सभी प्रादेशिक, संभाग और जिला स्तर के ऑफिस भी बंद रहेंगे। वहीं, स्कूलों की भी छुट्?टी रहेगी। इस दिन प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री भी नहीं हो सकेंगी। परी बाजार और आईएसबीटी स्थित रजिस्ट्रार ऑफिस भी बंद रहेंगे। भोपाल में करीब 60 हजार और इंदौर में लगभग 30 हजार सरकारी कर्मचारी हैं।

रंगपंचमी पर भी अवकाश रहेगा- सरकार ने भोपाल के लिए कुल चार स्थानीय अवकाश घोषित किए हैं। इनमें 14 जनवरी मकर संक्रांति, 19 मार्च रंगपंचमी, 27 अगस्त गणेश चतुर्थी और 3 दिसंबर भोपाल गैस त्रासदी बरसी दिवस (केवल भोपाल शहर के लिए) शामिल हैं।

इंदौर में भी स्थानीय अवकाश- इंदौर में कलेक्टर आशीष सिंह ने इंदौर जिले स्थानीय अवकाश की सूची जारी की है। इसके तहत कल यानी 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर्व पर स्थानीय अवकाश रहेगा। इंदौर में यह पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। मार्च माह में आने वाली होली पर्व पर रंगपंचमी का भी स्थानीय अवकाश रहेगा।

मंत्री के बंगले की साज सज्जा पर 80 लाख फूंके !

सरकार के मंत्रियों पर सरकारी बंगले की साज सज्जा की धुन सवार है। एक कैबिनेट मंत्री के बंगले की साज सज्जा पर 80 लाख रुपए विभाग ने फूंक दिए हैं। साज सज्जा का खेल यहीं खत्म नहीं हुआ, मंत्री के एक चाहते ठेकेदार को इस काम का जिम्मा दिया गया जो विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है। सूत्र बताते हैं कि निर्माण विभाग से जुड़े एक मंत्री के चार इमली स्थित सरकारी

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

बंगले पर 80 लाख रुपए से भी अधिक के बजट से साज सज्जा की गई है। जिस बंगले पर यह साज सज्जा की गई है, पिछली सरकार में इसी बंगले पर साज सज्जा के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए गए थे। मंत्री ने जब बंगले में प्रवेश किया तो अधिकारियों को फर्नीचर बदलने से लेकर नए सिरे से कक्षों का निर्माण और परदे आदि महंगे कीमती सामान लगाने के निर्देश दिए। विभाग के अधिकारी मरता क्या नहीं करता की तर्ज पर आनन फानन में बजट न होते हुये भी काम कराया और बंगले पर खर्च करने की उदारता का उदाहरण पेश कर दिया। विभाग में मंत्री के बंगले पर खर्च राशि को लेकर काफी चर्चा है।

सचिव का गैर जमानती वारंट, मचा हड़कंप

नए साल में राज्य शासन के एक सचिव स्तर के आईएएस अधिकारी का गैर जमानती वारंट से मंत्रालय में हड़कंप मच गया। नए साल के पहले हफ्ते में पुलिस के दो सिपाही सचिव का गिरफ्तारी वारंट लेकर मंत्रालय पहुंचे तो विभाग में हड़कंप मच गया। किसी तरह अधिकारियों की समझाइश पर पुलिस के दोनों सिपाही वापस लौटे और बाद में सचिव, जबलपुर हाईकोर्ट की इंदौर बैंच में उपस्थित हो गए और अपना वारंट कैंसिल करवाना पड़ा। सूत्र बताते हैं कि इंदौर के एक अनुदान प्राप्त स्कूल के शिक्षकों के वेतनमान को लेकर लंबे समय से अदालत में मामला चल रहा था। पिछले साल कोर्ट ने सचिव के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया तो अधिकारियों ने विधानसभा का हवाला देकर उपस्थित होने में आनाकानी की। इस पर बेंच ने नाराजगी जाहिर की और सचिव के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। बता दें वैसे तो सचिव की विभाग में छवि काफी सख्त अधिकारी की है।

नेता को निपटाने घोर विरोधियों ने हाथ मिलाया

राजनीति की चौसर पर सब जायज होता है। मध्य प्रदेश में भाजपा के संगठन चुनाव में ऐसा ही देखने को मिला जब ग्वालियर जैसे बडे जिले में जिलाध्यक्ष को लेकर एक-दूसरे के घोर विरोधी रहे नेताओं ने हाथ मिला लिया और एक बड़े नेता को निपटाने के लिए उसके समर्थक पर हाथ रख दिया। बड़े नेताजी पहले से ही किसी और को अध्यक्ष बनाने के लिये प्रयासरत थे। ऐसे में उनके ही दूसरे समर्थक का नाम आने से वह भी भौंचक रह गये...देखना यह है कि बड़े नेताजी के ये दोनों समर्थक क्या आगे भी एक साथ बड़े नेताजी के साथ रह पाएँगे या फिर जो नहीं बन पाएगा वह उनका साथ छोड़ देगा.. बहरहाल विरोधियों ने चाल।खूब चली है।

सीई की मुश्किलें बढ़ी

निर्माण विभाग के एक मुख्य अभियंता की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। मंत्री का संरक्षण प्राप्त मुख्य अभियंता गाज गिरने से किसी तरह बचा तो सीई के खिलाफ एक महिला ठेकेदार के पति ने मोर्चा खोल दिया है। महिला ठेकेदार के पति ने सीई के खिलाफ उसके घर को बर्बाद करने और उसकी पत्नी को उससे अलग करने तथा डराने धमकाने का गंभीर आरोप लगाया है। इन आरोपों को लेकर मंत्री से लेकर विभाग तक के अधिकारी सकते में है। बता दें कि सीई की पिछले दिनों महिला ठेकेदार के साथ सामने आई मौज-मस्ती की तस्वीरों को लेकर सीई अब अपना बचाव करते फिर रहे। उनका कहना है कि परिवार का झगड़ा है और मुझे टारगेट किया जा रहा है।

सिस्टम से अधिकारियों की नींद उड़ी

सरकार में पद स्थापना के लिए सिस्टम भी काम करता है पर जब से नए प्रशासनिक मुखिया आए हैं। वह इस सिस्टम को तोड़ना चाहते हैं और काम को ही सिस्टम बनाने की के लिये प्रयासरत है.. अंदर खाने की यह खबर जब से जिले में सिस्टम के सहारे पैर पसारे अफसरों तक पहुंची है तब से उन अफसरों की नींद उड़ गई है। डर इस बात का है कि कहीं सिस्टम से आए हुए ये अधिकारी यदि सीएस के फार फॉरमेंस के पैमाने पर खरे नहीं उतरे। तो क्या वापस बुला लिए जाएँगे। पड़ौसी संभाग के जिले में ज्यादा ही घबराहट है। इसलिए वह जगह-जगह दरवाजा खटखटा रहे हैं।

सिपाहियों से चल रहा है गृह मंत्रालय !

मध्य प्रदेश की प्रशासनिक दूरी मंत्रालय यानी वल्लभ भवन में सरकार का सबसे महत्वपूर्ण गृह विभाग, पुलिस के सिपाहियों के भरोसे है। हालत यह है कि मंत्रालय में लंबे समय से नियुक्ति नहीं होने के कारण गृह विभाग में पुलिस के सिपाहियों को डेपुटेशन पर लेकर काम चलाया जा रहा है। गृह विभाग की शाखों को देखे तो यहां पर अधिकांश शाखों में अनुविभागीय अधिकारी मंत्रालय सेवा के बचे हैं। अनुविभागीय अधिकारियों के मातहत सहायक कर्मचारी पुलिस से और मंत्रालय में डेपुटेशन में सेवाएं दे रहे हैं। गृह विभाग में पुलिस के सिपाहियों को पहले भी डेपुटेशन पर लिया जाता था लेकिन उनकी संख्या नगन्य होती थी। अब तो उच्च पदों को छोड़ दे तो साहब ग्रेड के अधिकांश पद पर सिपाही बैठे मिलेंगे। कमोवेश यही स्थिति नगरीय प्रशासन विभाग की भी है। यहां पर भी नगर निगमों के संविदा कर्मचारी डेपुटेशन पर, सहायक ग्रेड के पदों पर सालों से जमे हैं। राज्य मंत्रालय में संविदा कर्मचारियों और सिपाहियों के लंबे समय तक जमे रहने से गोपनीयता भंग होने की भी आशंका बनी रहती है। मंत्रालय में पदोन्नति नहीं होने से और कर्मचारियों के साल दर साल रिटायर होने से बड़ी संख्या में पद रिक्त हो गए हैं। इस वजह से सामान्य प्रशासन विभाग में पदोन्नति के पद अनुविभागीय अधिकारी और सहायक अनुविभागीय अधिकारी के पद सीधी भारती से भरने का निर्णय लिया है। जिसका मंत्रालय अधिकारी कर्मचारी संघ ने पूर जोर विरोध कर दिया है। इस निर्णय के खिलाफ मंत्रालय अधिक कर्मचारी संघ ने आंदोलन का भी ऐलान कर दिया है। साथ ही मुख्यमंत्री से मिलकर संघ कड़ा विरोध भी जाता आएगा।